आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 54 | उज्जैन, मंगलवार 14 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

क्षिप्रा नदी होगी निर्मल और सदानीरा-मुख्यमंत्री

श्रद्धालुओं का सिंहस्थ-2028 में स्नान, क्षिप्रा नदी के जल से ही करवाने का संकल्प होगा पूरा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संकल्प लिया था कि श्रद्धालुओं को आगामी सिंहस्थ-2028 में क्षिप्रा नदी के निर्मल जल में ही स्नान कराया जाए। इसी संकल्प की पूर्ति के लिए उज्जैन में सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी, कान्ह क्लोज डक्ट एवं हरियाखेड़ी परियोजनाएं प्रारंभ की गई हैं, जिनसे न केवल क्षिप्रा नदी में पूरे वर्ष निर्मल जल रहेगा अपितु उज्जैन नगर को पेयजल के लिये भी शुद्ध जल उपलब्ध हो सकेगा।

क्षिप्रा नदी में जल की कमी के चलते पूर्व के सिंहस्थ आयोजनों में स्नान के लिए गंभीर और नर्मदा नदी का जल प्रवाहित किया गया था। परियोजनाओं से मोक्षदायिनी क्षिप्रा नदी सदानीरा होगी और सिंहस्थ-2028 में आने वाले श्रद्धालु क्षिप्रा नदी के निर्मल जल में ही स्नान करेंगे।

सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का मुख्य उद्देश्य वर्षा ऋतु में क्षिप्रा नदी के जल को सिलारखेड़ी जलाशय में एकत्र कर पुनः आवश्यकता अनुसार क्षिप्रा नदी में प्रवाहित कर निरन्तर प्रवहमान बनाना है। इस परियोजना में ग्राम सेवरखेड़ी में 1.45 मिलियन घन मीटर क्षमता का बैराज निर्माण कर, यहां से 3 मीटर व्यास के 6.50 कि.मी. पाईप लाईन द्वारा क्षिप्रा नदी का जल सिलारखेड़ी जलाशय में संचित किया जावेगा। इसके लिये सिलारखेड़ी जलाशय की क्षमता 51 मिलियन घन मीटर तक बढ़ाई जायेगी। सिलारखेड़ी जलाशय में संचित जल 1.80 मी. व्यास की 7.00 कि.मी. लम्बी पाईप लाईन द्वारा पुनः क्षिप्रा नदी में ग्राम कुंवारिया के समीप आवश्यकता अनुसार छोड़ा जायेगा। परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति 614.53 करोड़ रूपये और तकनीकी स्वीकृति 569.43 करोड़ रूपये जल संसाधन विभाग से प्राप्त है। परियोजना में निर्माण कार्य की समय-सीमा अनुबंध दिनांक से 30 माह रखी गई हैं, जिसमें 5 वर्षों का संचालन और रख-रखाव का प्रावधान किया गया है। परियोजना पूर्ण हो जाने से क्षिप्रा नदी को स्वच्छ एवं निरन्तर प्रवहमान किया जा सकेगा एवं उज्जैन शहर की आगामी पेयजल की मांग की पूर्ति भी की जा सकेगी।

कान्ह नदी के जल के व्यपवर्तन के लिये 30.15 किमी लंबाई (18.15 किमी कट एंड कवर भाग एवं 12 किमी टनल भाग) की कान्ह डायवर्जन क्लोज डक्ट परियोजना निर्माणाधीन है। इसके कट एंड कवर भाग में खुदाई एवं पीसीसी कार्य, टनल भाग में चार शाफ़्ट के माध्यम से वर्टिकल एवं हॉरिजॉन्टल खुदाई का कार्य और कास्टिंग यार्ड में प्री-कास्ट सेगमेंट की कास्टिंग का कार्य प्रगतिरत है।

दुर्घटना मुआवजे से मेडिक्लेम प्रतिपूर्ति की राशि काटी जाए, कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपने आदेश में ऐसा क्यों कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा है कि मोटर वाहन (एमवी) अधिनियम के तहत चिकित्सा व्यय और अस्पताल में भर्ती के लिए दिए जाने वाले मुआवजे में मेडिक्लेम बीमा पॉलिसियों के माध्यम से प्राप्त राशि को भी शामिल किया जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति हंचाटे संजीवकुमार ने यह फैसला सुनाते हुए एक बीमा कंपनी को एस. हनुमनथप्पा के परिवार को 4,93,839 रुपये 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित मुआवजा देने का निर्देश दिया।

अदालत ने मेडिक्लेम पॉलिसी के माध्यम से पहले से प्रतिपूर्ति की गई 1.8 लाख रुपये की कटौती का आदेश दिया।

बेंगलुरु के मराठाहल्ली निवासी हनुमंथप्पा 10 दिसंबर, 2008 को लेपाक्षी से सेवा मंदिर गांव लौटते समय सड़क दुर्घटना में शामिल थे। एक ऑटोरिक्शा ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे हनुमंथप्पा और उनकी पत्नी दोनों को गंभीर चोटें आईं।

घटना के बाद, हिंदूपुर ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज किया और हनुमनथप्पा ने बेंगलुरू में मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण का दरवाजा खटखटाया, जिसने 22 मार्च 2013 को 6,73,839 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। इसमें चिकित्सा व्यय के लिए 5,24,639 रुपये शामिल थे।

2024 में मारे गए आतंकियों में से 60 फीसदी पाकिस्तानी, सेना प्रमुख बोले- टेररिज्म से टूरिज्म की तरफ बढ़ रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ उपेंद्र द्विवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि मेरा मिशन है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मजबूत आधार स्तम्भ के लिए भारतीय सेना को आत्मनिर्भर फ्यूचर रेडी फोर्स के रूप में तैयार करना।

सेना प्रमुख ने कहा कि मैं उत्तरी सीमा से बात शुरू करता हूं। जैसा कि आप सबको पता है कि स्थिति सेंसिटिव है, मगर स्थिर है। पूर्वी लद्दाख के डेपसांग और डेमचोक में समस्या सुलझ गई है। मैंने अपने को कमांडर्स को ग्राउंड लेवल पर हालात से निपटने के लिए ऑथराइज किया है।

मणिपुर पर भी बोले सेना प्रमुख- सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि नॉर्थ ईस्ट में हालात लगातार सुधर रहे हैं। मणिपुर में सुरक्षा बलों के प्रयास और सक्रिय सरकारी कोशिश से स्थिति नियंत्रण में है। हालांकि, हिंसा की चक्रीय घटनाएं जारी हैं। हम क्षेत्र में शांति स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, विभिन्न एनजीओ और दिग्गज लोग मेल-मिलाप को प्रभावी बनाने के लिए कम्युनिटी नेताओं तक पहुंच रहे हैं। भारत-म्यांमार सीमा पर, निगरानी बढ़ा दी गई है।

सेना दिवस की परेड में पहली बार जंगी रोबोट दिखाएंगे करतब, एनसीसी की महिलाएं भी होंगी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल की सेना दिवस की परेड काफी अलग होगी। ऐसा पहली बार होने जा रहा है, जब इस मौके पर राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की लड़कियों की एक टुकड़ी भाग लेगी। इसके साथ ही चार विषयगत झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी। इनमें से एक झांकी बल के मिशन ओलंपिक विंग पर आधारित होगी

दरअसल, बेंगलुरू स्थित सैन्य पुलिस कोर, सेंटर एंड स्कूल की सभी महिलाओं की अग्निवीर टुकड़ी तथा मार्चिंग, जंगी रोबोट्स (रोबोटिक खच्चरों) का एक ग्रुप भी पहली बार इस प्रतिष्ठित वार्षिक परेड हिस्सा लेगा, जो सभी के लिए आकर्षण का केंद्र हो सकता है।

जानकारी के अनुसार सेना दिवस के दिन गौरव गाथा नामक एक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाना है। इस कार्यक्रम में प्राचीन काल से लेकर समकालीन युग तक कल्याण के विकास को प्रदर्शित किया जाएगा। सेना दिवस की परेड का आयोजन 15 जनवरी को सेना की दक्षिणी कमान के तहत आने वाले महाराष्ट्र के पुणे में स्थित बॉम्बे इंजीनियरिंग ग्रुप और केंद्र में होनी है। संभावना है कि इस कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

बता दें कि इस साल 77वें सेना दिवस का आयोजन किया जा रहा है। 77वें सेना दिवस समारोह का थीम समर्थ भारत, सक्षम सेना है। इस बार का फोकस भी सेना की क्षमताओं को प्रदर्शित करना है। जिससे एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में योगदान मिले।

भारत में सर्जरी के बाद हर साल संक्रमण की चपेट में आते हैं 15 लाख मरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में सर्जरी के बाद हर साल औसतन लगभग 15 लाख मरीज संक्रमण की चपेट में आते हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की एक हालिया रिपोर्ट में सर्जरी के बाद होने वाले संक्रमण यानी सर्जिकल साइट इंफेक्शन (एसएसआई) को लेकर यह चिंताजनक स्थिति सामने आई है।

दरअसल, एसएसआई तब होता है जब सर्जरी के दौरान लगाए गए चीरे में घुस कर बैक्टीरिया उसे संक्रमण कर देते हैं। आईसीएमआर की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में सर्जरी के बाद मरीजों के एसएसआई से संक्रमित होने की दर 5.2 प्रतिशत है जो कई विकसित देशों से अधिक है।

रिपोर्ट में सामने आई कई बातें- रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हड्डियों, मांसपेशियों से संबंधित सर्जरी या आर्थोपेडिक सर्जरी के मामलों में एसएसआई की दर 54.2 प्रतिशत है, जो बेहद चिंता की बात है। इस समस्या से निपटने के लिए आईसीएमआर ने एसएसआई निगरानी नेटवर्क लॉन्च किया है।

इसका उद्देश्य ऐसे संक्रमणों को रोकने के लिए देश भर के डाक्टरों की मदद करना है। आईसीएमआर ने तीन प्रमुख अस्पतालों- एम्स दिल्ली, कस्तूरबा अस्पताल, मणिपाल और टाटा मेमोरियल अस्पताल मुंबई में 3,090 मरीजों की सर्जरी पर यह अध्ययन किया।

अध्ययन में पता चला कि ऑर्थोपेडिक सर्जरी कराने वाले मरीजों में एसएसआई होने का खतरा अधिक पाया गया।

पहले दिन डेढ़ करोड़ श्रद्धालुओं ने किया स्नान, सीएम योगी बोले- पुण्य फलें, महाकुंभ चलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाकुंभ 2025 में श्रद्धालुओं को उमड़ने का सिलसिला जोर पकड़ चुका है। पौष पूर्णिमा के दिन कुंभ स्नान के लिए प्रयागराज के चारों ओर से लोग पहुंच रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया है कि कुंभ स्नान के लिए सोमवार को डेढ़ करोड़ से अधिक लोग पहुंच चुके हैं। इस बाबत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट करते हुए महाकुंभ पहुंचने आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने लिखा, 'मानवता के मंगलपर्व महाकुम्भ 2025 में पौष पूर्णिमा के शुभ अवसर पर संगम स्नान का सौभाग्य प्राप्त करने वाले सभी संतगणों, कल्पवासियों, श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन।

अब लोग रात में भी लाल चौक पर आइसक्रीम खाने जा रहे, स्वर्ग की पहचान वापस पा रहा कश्मीरः पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग में सोमवार को जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का जम्मू-कश्मीर आज विकास की नई गाथा लिख रहा है। पीएम मोदी ने कहा, पहले के मुश्किल दिनों को पीछे छोड़कर हमारा कश्मीर अब फिर से धरती का स्वर्ग होने को पहचान वापस पा रहा है। अब लोग रात के समय भी लाल चौक पर आइसक्रीम खाने जा रहे हैं। रात के समय भी वहां बड़ी रौनक रहती है। बीते 10 सालों में जम्मू-कश्मीर में अमन और तरक्की का जो माहौल बना है, उसका फायदा हम पहले ही टूरिज्म सेक्टर में देख रहे हैं। साल 2024 में 2 करोड़ से अधिक टूरिस्ट जम्मू-कश्मीर आए हैं। यहां सोनमर्ग में भी 10 साल में 6 गुना ज्यादा टूरिस्ट बढ़े हैं। इसका लाभ आपके लोगों को हुआ है, आवाम को हुआ है। पीएम मोदी ने कहा, जम्मू-कश्मीर तो अब टनल का, ऊंचे-ऊंचे पुलों का, रोप-वे का हब बनता जा रहा है। दुनिया की सबसे ऊंची टनल्स यहां बन रही हैं। दुनिया के सबसे ऊंचे रेल-रोड ब्रिज, दुनिया की सबसे ऊंची रेल लाइन यहां बन रही है। जम्मू-कश्मीर में भी बीते 10 साल में एक से बढ़कर एक शिक्षण संस्थान बने हैं। इसका बहुत बड़ा लाभ यहां के हमारे नौजवानों को हुआ है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के सफर में बहुत बड़ा कंट्रीब्यूशन हमारे टूरिज्म सेक्टर का है। बेहतर कनेक्टिविटी के चलते जम्मू-कश्मीर के उन इलाकों तक भी टूरिस्ट पहुंच पाएंगे, जो अभी तक अनछुए हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का दिन बहुत ही खास है। आज देश के हर कोने में उत्सव का माहौल है। पीएम मोदी ने कहा, आज से ही प्रयागराज में महाकुंभ आरंभ हो रहा है। करोड़ों लोग वहां पवित्र स्नान के लिए उमड़ रहे हैं। आज पंजाब समेत पूरा उत्तर भारत लोहड़ी की उमंग से भरा है। ये समय उत्तरायण, मकर संक्रांति, पोंगल जैसे कई त्योहारों का है। मैं देश और दुनिया में इन त्योहारों को मना रहे सभी लोगों के मंगल की कामना करता हूं।

32 साल अकेले वीरान टापू पर रहा बुजुर्ग, लोगों के बीच रहने आया तो हो गई मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इटली के एक वीरान टापू पर 30 साल से भी ज्यादा समय बिताने वाले 85 साल के बुजुर्ग मौरो मोरांडी की मृत्यु हो गई। यह बुजुर्ग 30 वर्ष से अकेले एक वीरान टापू पर रह रहा था। इस दौरान उसने टापू को साफ सुथरा रखा, लेकिन जब वह टापू छोड़कर मुख्यधारा में रहने के लिए आया तो ज्यादा वर्षों तक जीवित नहीं रह पाया। इस बुजुर्ग व्यक्ति मौरो की कहानी आपको हैरान कर देगी।

इटली के वीरान टापू पर मौरो मोरांडी ने करीब 32 साल बिताए। इनके उत्कृष्ट कार्यों के चलते इनका नाम मीडिया ने रॉबिन्सन क्रूसो रख दिया था। वे दूसरे विश्व युद्ध के पुराने शेल्टर, सार्डिनिया के पास बुडेली टापू पर अकेले ही जीवन व्यतीत कर रहे थे। बुडेली भूमध्य सागर में एक इटालियन टापू यानी ?द्वीप है। 1989 में बाजारवाद और समाज से बचने के लिए पोलिनेशिया कर रहे थे। इसी दौरान वे इस बुडेली द्वीप पहुंच गए।

इस द्वीप पर जब वे पहुंचे तो उन्होंने देखा कि यहां इस आईलैंड का केयरटेकर रिटायरमेंट के करीब था। इसलिए उसके रिटायरमेंट के बाद इस द्वीप के रखरखाव का जिम्मा फिर मौरो ने संभाल लिया। अपने प्रयासों के चलते उन्होंने एक दो नहीं बल्कि 32 साल तक इस द्वीप को साफ सुथरा रखने की जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाया।

पर्यटकों को किया जागरुक, अधिकारियों ने हटा दिया मौरो मोरांडी ने 32 साल की अवधि के दौरान खुद भी द्वीप को साफ सुथरा रखा और यहां आने वाले पर्यटकों को भी इस द्वीप की साफ सफाई के बारे में जागरूक किया। विडंबना यह रही कि साल 2021 में जब इस द्वीप को नेचर पार्क घोषित कर दिया गया तब इटली के अधिकारियों ने उन्हें वहां से हटा दिया। जिस मोरांडी ने 32 साल तक इस द्वीप को साफ सुथरा रखने में अपना जीवन खपा दिया, उसे अधिकारियों ने हटाने में देर नहीं लगाई।

द्वीप से वापस लौटने के बाद उन्होंने सार्डिनिया के ला मदालेना में एक छोटे से अपार्टमेंट में नई शुरुआत की। खूबसूरत प्रवाल भित्तियों और ग्रेनाइट सीपियों से बने घर में 32 साल गुजारने के बाद 3 साल पहले ही वह आम लोगों के बीच मुख्यधारा के जीवन में लौटे थे। जब उन्हें द्वीप से जाने के लिए कहा गया, तब उनके पास कोई अपना घर नहीं था। बाद में सरकार ने उन्हें सार्डिनिया के एक द्वीपसमूह ला मदालेना में भेज दिया था। यहां वे एक बेडरूम वाले अपार्टमेंट में रहते थे।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार साल 2021 में जब उन्हें द्वीप छोड़ने के लिए कहा गया, तब उनकी उम्र 80 साल से भी ज्यादा थी। जब 32 साल बाद वह द्वीप से निकले तो सबकुछ बदल गया था। हालांकि उन्होंने कहा था कि वे नए सिरे से जीवन शुरुआत करने के लिए उत्साहित हैं।

लॉस एंजेलिस में आग ने सब उजाड़ा, लेकिन खत्म नहीं हुई अमीरी! घर को बचाने के लिए हर घंटे खर्च कर रहे 1.7 लाख रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैलिफोर्निया में भड़की जंगल की आग ने तबाही मचाई हुई है। हजारों बिल्डिंगे जलकर नष्ट हो गई हैं और लाखों लोगों को घर छोड़कर भागना पड़ा है। लॉस एंजेलिस वो इलाका है, जहां अमेरिका के सबसे लग्जरी जिंदगी पसंद लोग रहते हैं।

शहर आग की लपटों से घिरा हुआ है, तो कुछ अमीर लोग इससे अपने घर को बचाने के लिए प्राइवेट फायर फाइटिंग सर्विसेज की मदद से ले रहे हैं। इसके लिए मुहमांगी कीमत भी चुकाई जा रही है- करीब 1.7 लाख रुपये प्रति घंटे।

छिड़काव करते हैं प्राइवेट फायरफाइटर

एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन अरबपतियों की लग्जरी प्रॉपर्टी तक आग की लपटें न पहुंचें, इसके लिए प्राइवेट क्रू तैनात हो रहे हैं। प्राइवेट सिक्योरिटी कंपनी के मालिक क्रिस डून ने बताया कि आपदा के समय में सर्विस की डिमांड काफी बढ़ गई है।

इन प्राइवेट फायरफाइटिंग टीम के लोग रात भर घर की छतों पर पानी का छिड़काव कर रहे हैं, जिससे आग की लपटें उस तक न पहुंच पाएं। ये कंपनियां घरों पर अग्निरोधी छिड़काव से लेकर पेड़ों पर फायरप्रूफ मैटेरियल बांधने तक कई तरह की सर्विस ऑफर करती हैं।

प्रीमियम सर्विस लेने वाले की लोगों की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए ये कंपनियां इंश्योरेंस कंपनियों से पार्टनरशिप कर लेती हैं। इससे दोनों पक्षों को फायदा होता है। लोगों की संपत्ति बर्बाद होने से बच जाती है और बीमा कंपनियों को भुगतान भी नहीं करना पड़ता।

लोग कर रहे आलोचना- हालांकि इस तरह प्राइवेट फायरफाइटर को हायर करने वाले लोगों को काफी आलोचना का भी सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि यह समाज में फैले गहरे क्लास डिवीजन को दिखाता है।

ट्रंप ने की ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात, रूस-अमेरिका के बीच बसा ये आइलैंड क्यों है खास?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण की इच्छा जाहिर कर चुके हैं। वहीं डेनमार्क ने इस बात का विरोध किया था कि यह अभी ब्रिकी के लिए नहीं है। ग्रीनलैंड के अधिकारियों ने क्षेत्र की स्वतंत्रता के अधिकार पर जोर देने की मांग की है।

बता दें कि 7 जनवरी के बाद से ये चर्चा और तेज हो गई जब डोनाल्ड ट्रंप ने डेनमार्क का दौरा किया था। कई मील गहरा एक हिमखंड ग्रीनलैंड के 80 प्रतिशत हिस्से को कवर करता है। ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप और यह कोई महाद्वीप नहीं है।

बर्फ से ढका है ग्रीनलैंड- ग्रीनलैंड का कुल क्षेत्रफल 21.6 लाख वर्ग किलोमीटर है इसका 80 फीसदी हिस्सा बर्फ की चादर से ढका है। यहां के लोग हमेशा अंधेरे में उत्तरी रोशनी के नीचे बर्फ पर सील का शिकार करते हुए क्रूर ठंडी सर्दियां बिताते हैं।

ग्रीनलैंड में क्या है खास- सालों से यात्रियों के लिए फ्लाइट से ग्रीनलैंड जाने की समस्या रही है।

2024 के अंत में राजधानी नुउक ने एक लंबे समय से विलंबित अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट खोला।

हसीना के नाम पर अब ब्रिटेन के पीएम से क्यों भिड़े मुहम्मद यूनुस? स्टार्मर के मंत्री को बर्खास्त करने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस अब ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर से पंगा लेने लगे हैं। उन्होंने यूके की मंत्री ट्यूलिप सिद्दीक को बर्खास्त करने तक की मांग कर दी है। दरअसल, ट्यूलिप बांग्लादेश की अपदस्थ पीएम शेख हसीना की भतीजी है, जिसके चलते वो यूनुस के निशाने पर है।

शेख हसीना से मिलकर भ्रष्टाचार करने के आरोप

ट्यूलिप सिद्दीक पर भ्रष्टाचार करने के आरोप हैं। मुहम्मद यूनुस ने ट्यूलिप और उनके परिवार की संपत्तियों की जांच करने की मांग की है, जिसमें संकेत दिया गया है कि उन्होंने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के रूप में शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान अवैध तरीकों से संपत्ति अर्जित की हैं।

ट्यूलिप की संपत्ति बांग्लादेश को वापस करने की मांग - टाइम्स अखबार को दिए गए साक्षात्कार में यूनुस ने सिद्दीक और उनके परिवार को तत्कालीन शेख हसीना सरकार के सहयोगियों द्वारा उपहार में दी गई संपत्तियों के उपयोग की निंदा की।

कनाडा बेचने के लिए नहीं है, ट्रंप पर बरसे ट्रूडो के पूर्व सहयोगी जगमीत सिंह; किस बात की दी चेतावनी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा को अमेरिका में मिलाने की ट्रंप की योजना पर पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के पूर्व सहयोगी जगमीत सिंह ने उन्हें चेतावनी दी है। जगमीत सिंह ने एक्स पर एक वीडियो में कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के लिए मेरे पास एक संदेश है। हमारा देश कनाडा बिक्री के लिए नहीं है। न अभी और न ही आगे कभी। हम अच्छे पड़ोसी हैं। अगर आप कनाडा के साथ लड़ना चाहते हैं तो आपको इसकी कीमत चुकानी होगी।

एक्स पर वीडियो में एनडीपी नेता जगमीत सिंह ने कहा कि कनाडाई लोगों को अपने देश पर गर्व है। वे इसकी रक्षा के लिए जी जान से लड़ने को तैयार हैं। उन्होंने लॉस एंजिलिस में लगी आग में कनाडा की ओर से मदद करने का दावा किया। उन्होंने कहा कि जब जंगल की आग अमेरिका के घरों को तबाह कर रही है तो कनाडा के अग्निशमन दल पहुंच गए हैं। हम ऐसे ही हैं और हम अपने पड़ोसियों का समर्थन करते हैं।

ट्रंप हम पर टैरीफ लगाते तो- जगमीत सिंह ने कहा कि अगर अमेरिका कनाडा पर टैरिफ लगाता है हम जवाबी कार्रवाई करेंगे।

लॉस एंजेलिस में लगी आग पर क्या बोले जगमीत सिंह- एनडीपी नेता ने लॉस एंजेलिस में लगी आग के दौरान अमेरिका का समर्थन देने और एक अच्छे पड़ोसी होने का दावा किया, जिसमें अब तक कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने कहा, अभी, जब जंगल की आग घरों को तबाह कर रही है, तो कनाडाई फायरफाइटर्स आ गए हैं।

ट्रंप ने कनाडा को लेकर कही थी ये बात- ट्रंप कनाडा की कमान संभालने और इसे 51वां अमेरिकी राज्य बनाने की अपनी योजनाओं के बारे में मुखर रहे हैं।

ट्रंप ने दिसंबर की शुरुआत में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया था।

क्या ये अलकायदा का विज्ञापन है, पाकिस्तान की सरकारी एयरलाइंस की करतूत से दुनिया में मचा बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 11 सितंबर 2001 को की तारीख को अमेरिका कभी नहीं भूलेगा। अल कायदा के आतंकियों ने चार विमान हाइजैक किए। एयरलाइंस फ्लाइट 175 और एयरलाइंस फ्लाइट 11 को न्यूयॉर्क शहर के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर से उत्तरी टावर से क्रैश करवाया गया था। चार हमलों में 2977 लोगों की मौत हुई थी। सोशल मीडिया पर फिलहाल 9/11 की खूब चर्चा हो रही, जिसकी वजह पाकिस्तान है।

दरअसल, यूरोपीय संघ से पाकिस्तान एयरलाइंस पर प्रतिबंध हटा दिया गया है। पाकिस्तान

इंटरनेशनल एयरलाइंस ने 10 जनवरी से इस्लामाबाद और पेरिस के बीच फिर से उड़ान शुरू की है। इसी बीच पीआईए ने प्रचार के लिए एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की, जिस पर बवाल मचा हुआ है।

फोटो के कैप्शन में क्या लिखा है- पीआईए ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की जिस पर पेरिस की ओर जा रहे एक विमान की तस्वीर थी। इसमें विमान के सामने एफिल टॉवल को दिखाया गया है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, पेरिस हम आज आ रहे हैं। पोस्ट में उड़ान सेवा के फिर से शुरू होने की जानकारी भी दी गई है। इंस्टाग्राम पोस्ट में शेयर की गई तस्वीर के बाद यूजर ने इस पर दिलचस्प कमेंट किए हैं। कई यूजर्स ने पीआईए की पोस्ट और 9/11 के आतंकवादी हमले के बीच समानताएं बताई हैं।

चीन से मिली राहत की खबर, कम होने लगे वायरस के मामले; क्यों बढ़े थे केस सामने आया कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में HMPV वायरस के मामले बढ़ रहे हैं। देश में अब तक इस वायरस के कई राज्यों से मामले सामने आ चुके हैं। चीन से शुरू हुए इस वायरस की जद में अब आसपास के कई देश भी आ गए हैं। ऐसे में इस वायरस का चीन में क्या असर हैं इस पर गौर करना जरूरी है।

वहीं, चीनी अधिकारियों का कहना है कि चीन के उत्तरी प्रांतों में श्वसन संबंधी बीमारी ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के मामलों में कमी आ रही है।

चीनी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के शोधकर्ता वांग लिपिंग ने आश्वस्त किया कि HMPV एक दशकों पुराना वायरस है, उन्होंने कहा कि मामलों में वृद्धि बेहतर पहचान के कारण हुई है।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग की एक प्रेस वार्ता के दौरान लिपिंग ने कहा, वर्तमान में, मानव मेटान्यूमोवायरस का पता लगाने में सकारात्मक मामलों की दर में उतार-चढ़ाव हो रहा है और उत्तरी प्रांतों में सकारात्मक मामलों की दर घट रही है।

उन्होंने कहा, 14 वर्ष और उससे कम आयु के रोगियों में पॉजिटिव मामलों की दर में कमी आनी शुरू हो गई है।

बढ़ गई थी एक और महामारी की आशंका- लिपिंग ने कहा कि हाल के वर्षों में वायरस के मामलों की संख्या में वृद्धि, जो पहली बार 2001 में नीदरलैंड में पाई गई थी, बेहतर पहचान विधियों के कारण हुई है।

हलवा और छोले लेकर अंतरिक्ष में गए थे राकेश शर्मा, सीखनी पड़ी थी रूसी भाषा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा जब 22 साल के थे, जब उन्होंने पाकिस्तान के साथ हुई जंग में 21 बार मिग-21 से उड़ान भरी थी। वह घर से एस्ट्रोनॉट बनने नहीं निकले थे। राकेश शर्मा तो एयरफोर्स का हिस्सा थे।

25 साल की उम्र में वह भारतीय एयरफोर्ट से सबसे बेहतरीन पायलट में से एक हो गए थे। लेकिन उनकी जिंदगी में एक दौर ऐसा भी आया, जब भारत ने रूसी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ राकेश शर्मा को भी अंतरिक्ष में भेजने का फैसला किया।

पटियाला में हुआ जन्म- राकेश शर्मा का जन्म 13 जनवरी 1949 को हुआ था। वह पंजाब के पटियाला में जन्मे थे। 1966 में नेशनल डिफेंस एकेडमी के जरिए वह वायुसेना से जुड़े। वह महज 21 साल की उम्र में वायु सेना में शामिल हो गए थे।

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए सोवियत संघ की मदद ले रही थीं। साल 1982 में ये तय किया गया कि रूसी अभियान के साथ एक भारतीय को भी अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

टेस्ट के बाद चुने गए राकेश शर्मा- राकेश शर्मा तब तक वायुसेना में स्क्वार्डन लीडर बन चुके थे। अभियान के लिए करीब 50 पायलटों ने टेस्ट दिया और फिर अंत में राकेश शर्मा और रवीश मल्होत्रा को इसके लिए चुना गया। दोनों को ट्रेनिंग के लिए रूस भेजा गया।

उन्हें पहले ही ये बता दिया गया था कि ट्रेनिंग अधिकतर रूसी भाषा में होगी। इस लिए दोनों पर जल्द से जल्द रूसी भाषा सीखने का दबाव था। दोनों हर रोज 6 से 7 घंटे तक रूसी भाषा सीखते थे। करीब 3 महीने में ही उन्हें ठीक-ठाक रूसी भाषा आ गई थी।

3 अप्रैल को रवाना हुए शर्मा

अंतरिक्ष में जाने से करीब 1 साल पहले दोनों रूस की राजधानी मॉस्को से 70 किलोमीटर दूर स्थित स्टार सिटी गए, जहां अंतरिक्ष यात्रियों का प्रशिक्षण केंद्र था।

आपातकाल में जो जेल गए, पाएंगे 20 हजार पेंशन और फ्री इलाज...

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा की भाजपा सरकार ने बड़ा ऐलान किया है कि आपातकाल के दौरान राज्य के जो लोग जेल गए, उन्हें हर महीने 20 हजार रुपए और मेडिकल सुविधाएं मिलेंगी। सोमवार को राज्य गृह विभाग ने मामले में अधिसूचना जारी की। सरकार ने कहा कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस की यातनाएं झेलने वाले ओडिशावासियों को सरकार पेंशन के साथ इलाज का खर्चा भी देगी। इससे पहले 2 जनवरी को ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने आंतरिक सुरक्षा अधिनियम, भारत रक्षा नियम या रक्षा और भारत की आंतरिक सुरक्षा नियमों के तहत आपातकाल के दौरान गिरफ्तार और जेल में बंद लोगों के लिए मासिक पेंशन के प्रावधान की घोषणा की थी। आपातकाल के दौरान जेल गए सभी लोगों को पेंशन के साथ-साथ उनका इलाज का खर्च भी राज्य सरकार वहन करेगी। इसमें कहा गया है कि 1 जनवरी 2025 तक जीवित सभी लोगों को पेंशन और चिकित्सा सुविधाएं दी जाएंगी। बता दें कि 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 के बीच आपातकाल का विरोध करने पर सैकड़ों लोगों को देश भर की विभिन्न जेलों में कैद कर दिया गया।

बांग्लादेश के एक्शन पर भारत का सख्त रिएक्शन, बॉर्डर फेंसिंग को लेकर हाईकमीश्नर किए गए तलब

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के एक्शन के बाद अब भारत सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। बॉर्डर पर फेंसिंग विवाद को लेकर कल बांग्लादेश ने भारत से हाईकमीश्नर को बुलाया था। अब बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त नूरल इस्लाम को विदेश मंत्रालय ने समन भेज बुलाया है। वो साउथ ब्लॉक से रवाना हो गए हैं।

बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने भारतीय हाईकमिश्नर प्रणय वर्मा को बुलाकर ब्लस्न की तरफ से की जा रही फेंसिंग (बाड़) को गैरकानूनी बताया था।

नूरल इस्लाम हुए रवाना- विदेश मंत्रालय द्वारा बुलाए जाने के बाद भारत में बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त नूरल इस्लाम साउथ ब्लॉक से रवाना हो गए। बांग्लादेश के एक्शन पर भारत ने कड़ा रुख दिखाया है।

बांग्लादेश ने लगाया ये आरोप- रविवार को बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया, क्योंकि आरोप है कि भारत 4156 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेशी सीमा पर पांच खास जगहों पर बाड़ लगाने की कोशिश कर रहा है।

बांग्लादेश ने कहा कि ये कार्य सीमा गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन है।

वर्मा कल स्थानीय समयानुसार दोपहर 3 बजे ढाका स्थित विदेश मंत्रालय मुख्यालय पहुंचे।

खराब अंग्रेजी बोलने पर UFC चैंपियन खबीब को विमान से उतारा, मच गया बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्नष्ट के दिग्गज फाइटर खबीब नूरमगोमेदोव को लेकर एक मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार, पूर्व स्नष्ट लाइटवेट चैंपियन खबीब नूरमगोमेदोव को लास वेगास के हैरी रीड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्रंटियर एयरलाइंस की फ्लाइट से उतार दिया गया, क्योंकि एयरलाइन स्टाफ के साथ उनकी सीट को लेकर विवाद हुआ था।

इस घटना का एक वीडियो, जिसे फाइटर ने अनुचित बताया, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में नूरमगोमेदोव ने घटना के बारे में जानकारी शेयर की है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया और कहा, सबसे पहले, मुझे यह स्पष्ट करना है कि यह @FlyFrontier था न कि AlaskaAir जो महिला मेरे पास प्रश्न लेकर आई, वह शुरू से ही बहुत असभ्य थी, हालांकि मैं बहुत अच्छी अंग्रेजी बोलता हूं और सब कुछ समझ सकता हूं और सहायता करने के लिए सहमत हूं, फिर भी वह मुझे मेरी सीट से हटाने पर जोर दे रही थी।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब नूरमगोमेदोव से एक फ्लाइट अटेंडेंट ने संपर्क किया और आपातकाल में अन्य यात्रियों की सहायता करने की उनकी क्षमता पर सवाल उठाया। यह निकास पंक्ति में सीट पर बैठे यात्रियों के लिए एक मानक आवश्यकता है। हालांकि, नूरमगोमेदोव ने कहा कि अनुपालन करने की उनकी इच्छा के बावजूद, उनके साथ शुरू से ही अशिष्ट व्यवहार किया गया।

एक सहयात्री द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो में, फ्लाइट अटेंडेंट को यह कहते हुए सुना जा सकता है, हम आपको निकास पंक्ति में बैठने की अनुमति नहीं दे सकते मैं यह सब आगे-पीछे नहीं करने जा रहा हूँ। मैं एक सुपरवाइजर को बुला लूँगा। आप या तो कोई दूसरी सीट ले सकते हैं या हम आगे बढ़कर आपको विमान से उतार सकते हैं।

सप्ताह में 90 घंटे काम... आईआईटी प्रोफेसर ने निकाला नया फॉर्मूला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लार्सन एंड टुब्रो यानी L&T के चेयरमैन एएसन सुब्रह्मण्यन ने एक सप्ताह में 90 घंटे काम करने की बात कहकर इस बात पर चर्चा छेड़ दी कि हफ्ते में कितने घंटे में काम करना चाहिए। उनके बयान पर उन्हें तीखे रिएक्शन्स का सामना भी करना पड़ा। फिल्म अभिनेत्री दीपिका पादुकोण से लेकर आनंद महिंद्रा तक ने उनके बयान पर अपने तरीके से जवाब दिया। इन सबके बीच एक सुब्रह्मण्यन के 90 घंटे काम का जवाब आईआईटी प्रोफेसर ने दिया है।

प्रोफेसर के जवाब पर मिल रहीं यूजर्स की मिलीजुली पतिक्रियाएं

कजुरी के इस जवाब पर यूजर्स की प्रतिक्रियाएं मिल रही है। एक यूजर ने कजुरी के पोस्ट को रीट्वीट करते हुए लिखा कि अगर भारत हर सप्ताह 40 प्लस घंटे काम करने वाले लोगों को ओवरटाइम वेतन देने के नियम का सख्ती से पालन करे, तो काफी चीजें सकारात्मक रूप से बदल जाएंगी।

हालांकि एक अन्य यूजर ने आईआईटी प्रोफेसर की प्रतिक्रिया पर उन्हें आड़े हाथों लिया है। यूजर ने कहा कि कार्य के घंटों की संख्या का वेतन से कोई लेना देना नहीं है। काम के घंटे और वेतन एक सरकार मानसिकता है। कंपनियां उन कर्मचारियों को पुरस्कृत करेंगी जो जिनके कार्य के घंटे कपंनियों को ज्यादा रेवेन्यू देते हैं।

नारायण मूर्ति ने दी थी 70 घंटे काम की सलाह

बता दें कि लार्सन एंड टूब्रो के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यन ने एम्प्लॉइज के साथ ऑनलाइन बातचीत में एक सप्ताह में 90 घंटे काम करने की वकालत की थी। उन्होंने तो यहां तक कह दिया था कि रविवार को भी काम करना चाहिए। इससे पहले इंफोसिस के फाउंडरपर्सन नारायण मूर्ति ने भी चीन का हवाला देते हुए कॉर्पोरेट कर्मियों के एक सप्ताह में 70 घंटे काम करने की वकालत की थी।

एप्पल के को-फाउंडर स्टीव जॉब्स की पत्नी पहुंची महाकुंभ, गंगा में लगाएंगी डुबकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन जॉब्स महाकुंभ 2025 में शामिल होंगी। निरंजिनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशनंद गिरि की पत्नी लॉरेन 40 सदस्यीय टीम के साथ शनिवार रात आध्यात्मिक शिविर में पहुंचीं। वह कुंभ में रहेंगी और गंगा में डुबकी लगाने की भी योजना बना रही हैं।

हाथ में रक्षासूत्र और गले में रुद्राक्ष की माला के साथ पीले रंग का सलवार सूट पहने कमला का शिविर में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। रिसेप्शन में भव्य तुरही बजाई गई और उन्हें पारंपरिक कुल्हड़ में गर्म मसाला चाय परोसी गई। कुंभ के दौरान वह कल्पवास में रहेंगी और साधुओं की संगत में सादगीपूर्ण जीवन बिताएंगी। लॉरेन पॉवेल दुनिया की सबसे अमीर महिलाओं में शामिल हैं।

काशी विश्वनाथ मंदिर में भी किए दर्शन

लॉरेन को कैलाशनंद गिरि की तरफ से हिंदू नाम कमला दिया गया था - जो उनकी आध्यात्मिक व्यस्तता का प्रतीक है। प्रयागराज पहुंचने से पहले उन्होंने वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किये। उनके साथ निरंजनी अखाड़े के स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज भी थे।

सलवार सूट और सिर पर दुपट्टा पहने लॉरेन ने मुख्य मंदिर क्षेत्र के बाहर से प्रार्थना की। स्वामी कैलाशानंद ने बताया कि मंदिर की परंपरा के अनुसार, हिंदू के अलावा कोई भी व्यक्ति शिवलिंग को नहीं छू सकता है, यही वजह है कि उन्होंने गर्भगृह के बाहर से प्रार्थना की।

मुझे एक पिता और गुरु के रूप में सम्मान देती- आध्यात्मिक गुरु स्वामी कैलाशानंद गिरि ने ये भी कहा, लॉरेंस जॉब्स बहुत धार्मिक और आध्यात्मिक हैं। वह हमारी परंपराओं के बारे में जानना चाहती हैं। वह मुझे एक पिता और गुरु के रूप में सम्मान देती हैं। हर कोई उनसे सीख सकता है।

दैनिक हिन्दकुश
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
hindkush.in
24x7 News portal
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

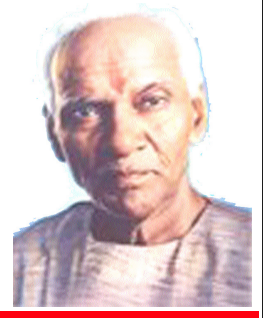

विक्रम संवत 2079 माघ कृष्ण प्रतिपदा

संपादकीय

प्राकृतिक आपदाओं से उबर पाना लगभग असंभव हो जाता है....

वर्ष 2024 को ऐसे साल के रूप में याद किया जाएगा, जिसमें दुनिया कई मायनों में बदल गई। ऐसा कोई दिन नहीं गुजरा, जब दुनिया का कोई न कोई हिस्सा मौसम की अति का शिकार नहीं हुआ। इन विकट परिस्थितियों में गर्मी और ठंड के नए रिकॉर्ड बने और कुछ दिन के भीतर फिर टूट गए। पहले ही अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे समुदायों के लिए बार-बार आने वाली ऐसी प्राकृतिक आपदाओं से उबर पाना लगभग असंभव हो जाता है। वैज्ञानिक इसे 'एंथ्रोपोसीन युग' कहते हैं। 'एंथ्रोपोसीन युग' भूविज्ञान के शब्दों में वह समय है, जब मानवीय गतिविधियों का जलवायु और पारिस्थितिकी-तंत्र पर गंभीर असर पड़ता है। हमने मानवीय प्रगति (अच्छे रहन-सहन एवं धन सृजन के लिए) के लिए जो उपाय किए हैं उनके प्रभाव सभी देशों और दुनिया की सीमा से परे दिखने लगे हैं।

यह अभूतपूर्व परिवर्तनों का दौर भी है जहां मनुष्यों के एक दूसरे के प्रति आचरण में बदलाव का, सही और गलत के वैश्विक नजरिये में बदलाव का और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक की ताकत में बदलाव का। अगले कुछ साल में दुनिया की दशा और दिशा एआई की ताकत से ही तय होगी।

हमने सार्वजनिक विमर्श का तरीका भी बदल दिया है। अब हम जो महसूस करते हैं, उसे कहने में बिल्कुल भी नहीं हिचकते भले ही वे अप्रिय, घृणा फैलाने वाली या विनाशकारी ही क्यों न हों। हम इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की रक्षा का माध्यम समझने लगे हैं। मगर ऐसा करते-करते हम पूरी तरह नए युग की तकनीक पर आश्रित हो गए हैं। आज की बड़ी तकनीकी कंपनियों का लगभग सभी चीजों पर नियंत्रण हो गया है। इन कंपनियों का बढ़ता प्रभाव देशों की सीमाएं लांघकर दुनिया में सभी लोगों को अपनी जद में ले चुका है। इन कंपनियों ने अतीत की बहुराष्ट्रीय कंपनियों को बौना बना दिया है। तनिक विचार करें कि जिस तरह हम समाचार सुनते, देखते या पढ़ते हैं, जिस तरह हम खरीदारी करते हैं और जहां भी रहते हैं वहां हमारे जीवन का हरेक पहलू किस तरह इन कारोबारों का हिस्सा बन चुका है।

अब इन भारी भरकम तकनीकी कंपनियों के मालिक न केवल तकनीक एवं मीडिया को मनमाने ढंग से बदल रहे हैं बल्कि राजनीति की दिशा भी तय करने लगे हैं। वे अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं और सरकारों के कमजोर होते ही वे और मजबूत हो जाते हैं। ज्यादातर सरकारें इस भ्रम में हैं कि वे ही नीतियां तय कर रही हैं और उनकी नीतियां लोकहित में हैं। सच्चाई यह है कि सरकारों ने अपना यह उत्तरदायित्व बड़ी कंपनियों, निवेश बैंकों और निजी कारोबारों को दे रखा है। सार्वजनिक गतिविधियों की गुंजाइश कम होती जा रही है और निजी इकाइयों का दबदबा बढ़ता जा रहा है। ऐसा नहीं है कि लोकतंत्र खत्म हो चुका है मगर यह जरूर है कि कारोबारों और उपभोक्ता वर्गों (आप और हम) की सांठगांठ के कारण यह बुनियादी तौर पर बदल चुका है। अब दुनिया अधिक असुरक्षित एवं बेचैन हो रही है क्योंकि हरेक संकट आने वाले दूसरे संकट की जमीन तैयार कर रहा है। हम तेजी से असमानता की शिकार हो रही ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां अमीर-गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। इसके कारण और खराब व्यवस्था, जलवायु परिवर्तन के खतरों तथा संसाधनों की कमी के कारण लोगों का पलायन तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि वे परेशान हैं और नए अवसर तलाशने की जद्दोजहद में लगे हुए हैं। इन सबके कारण लोगों में क्रोध और असुरक्षा की भावना भड़क रही है, जिससे नए कारोबारियों एवं महाशक्तियों के नियंत्रण वाली तकनीक के इस युग में लोकतंत्र तेजी से घृणा एवं ध्रुवीकरण का शिकार हो रहा है। यह गुस्सा गरीबों तक सीमित नहीं है।

मकर संक्रान्ति

मकर संक्रान्ति (मकर संक्रांति) भारत के प्रमुख पर्वों में से एक है। मकर संक्रांति (संक्रान्ति) पूरे भारत और नेपाल में भिन्न रूपों में मनाया जाता है। पौष मास में जिस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है उस दिन इस पर्व को मनाया जाता है। वर्तमान शताब्दी में यह त्योहार जनवरी माह के चौदहवें या पन्द्रहवें दिन ही पड़ता है, इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करता है। तमिलनाडु में इसे पोंगल नामक उत्सव के रूप में जाना जाता हैं जबकि कर्नाटक, केरल तथा आंध्र प्रदेश में इसे केवल संक्रांति ही कहते हैं। बिहार के कुछ जिलों में यह पर्व तिला संक्रांत नाम से भी प्रसिद्ध है। मकर संक्रान्ति पर्व को कहीं-कहीं उत्तरायण भी कहते हैं। 14 जनवरी के बाद से सूर्य उत्तर दिशा की ओर अग्रसर (जाता हुआ) होता है। इसी कारण इस पर्व को उतरायण (सूर्य उत्तर की ओर) भी कहते है। वैज्ञानिक तौर पर इसका मुख्य कारण पृथ्वी का निरंतर 6 महीनों के समय अवधि के उपरांत उत्तर से दक्षिण की ओर वलन कर लेना होता है। और यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है।

भारत में मकर संक्रांति

संपूर्ण (सम्पूर्ण) भारत में मकर संक्रांति (संक्रान्ति) विभिन्न रूपों में मनाया जाता है। विभिन्न प्रांतों (प्रान्तों) में इस त्योहार को मनाने के जितने अधिक रूप प्रचलित हैं उतने किसी अन्य पर्व में नहीं।

जम्मू संभाग

जम्मू में यह पर्व उत्तरैन और माघी संगरांद के नाम से विख्यात है। कुछ लोग इसे उत्रैण, अत्रैण अथवा अत्रणी के नाम से भी जानते है। इससे एक दिन पूर्व लोहड़ी का पर्व भी मनाया जाता है, जो कि पौष मास के अन्त का प्रतीक है। मकर संक्रान्ति के दिन माघ मास का आरंभ माना जाता है, इसलिए इसको माघी संगरांद भी कहा जाता है।

डोगरा घरानों में इस दिन माँह की दाल की खिचड़ी का मन्सना (दान) किया जाता है। इसके उपरांत माँह की दाल की खिचड़ी को खाया जाता है। इसलिए इसको खिचड़ी वाला पर्व भी कहा जाता है।

जम्मू में इस दिन बावा अम्बो जी का भी जन्मदिवस मनाया जाता है। उधमपुर की देविका नदी के तट पर, हीरानगर के धगवाल में और जम्मू के अन्य पवित्र स्थलों पर जैसे कि पुरमण्डल और उत्तरबैह्मी पर इस दिन मेले लगते है। भद्रवाह के वासुकी मन्दिर की प्रतिमा को आज के दिन घृत से ढका जाता है।

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में यह मुख्य रूप से दान का पर्व है। प्रयागराज में गंगा, यमुना व सरस्वती के संगम पर प्रत्येक वर्ष एक माह तक माघ मेला लगता है जिसे माघ मेले के नाम से जाना जाता है। 14 जनवरी से ही प्रयागराज में हर साल माघ मेले की शुरुआत होती है। 14 दिसम्बर से 14 जनवरी तक का समय खर मास के नाम से जाना जाता है। एक समय था जब उत्तर भारत में 14 दिसम्बर से 14 जनवरी तक पूरे एक महीने किसी भी अच्छे काम को अंजाम भी नहीं दिया जाता था। मसलन शादी-ब्याह नहीं किये जाते थे परन्तु अब समय के साथ लोग बाग बदल गये हैं। परन्तु फिर भी ऐसा विश्वास है कि 14 जनवरी यानी मकर संक्रान्ति से पृथ्वी पर अच्छे दिनों की शुरुआत होती है। माघ मेले का पहला स्नान मकर संक्रान्ति से शुरू होकर शिवरात्रि के आख़िरी स्नान तक चलता है। संक्रान्ति के दिन स्नान के बाद दान देने की भी परम्परा है।बागेश्वर में बड़ा मेला होता है। वैसे गंगा-स्नान रामेश्वर, चित्रशिला व अन्य स्थानों में भी होते हैं। इस दिन गंगा स्नान करके तिल के मिष्ठान आदि को ब्राह्मणों व पूज्य व्यक्तियों को दान दिया जाता है। इस पर्व पर क्षेत्र में गंगा एवं रामगंगा घाटों पर बड़े-बड़े मेले लगते है। समूचे उत्तर प्रदेश में इस व्रत को खिचड़ी के नाम से जाना जाता है तथा इस दिन खिचड़ी खाने एवं खिचड़ी दान देने का अत्यधिक महत्व होता है।

बिहार

बिहार में मकर संक्रान्ति को खिचड़ी नाम से जाना जाता है। इस दिन उड़द, चावल, तिल, चिवड़ा, गौ, स्वर्ण, ऊनी वस्त्र, कम्बल आदि दान करने का अपना महत्त्व है। महाराष्ट्र में इस दिन सभी विवाहित महिलाएँ अपनी पहली संक्रान्ति पर कपास, तेल व नमक आदि चीजें अन्य सुहागिन महिलाओं को दान करती हैं। तिल-गूल नामक हलवे के बाँटने की प्रथा भी है। इस दिन पूरे बिहारवासी दिन में दही चुरा खाकर और रात के समय उरद दाल और चावल की खिचड़ी बनाकर यह पर्व को मनाते हैं। इस दिन लाई या ढोंढा (चुरा या मुरमुरे का लड्डू) का भी बहुत महत्व माना जाता है ।

बंगाल

बंगाल में इस पर्व पर स्नान के पश्चात तिल दान करने की प्रथा है। यहाँ गंगासागर में प्रति वर्ष विशाल मेला लगता है। मकर संक्रान्ति के दिन ही गंगा जी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होकर सागर में जा मिली थीं। मान्यता यह भी है कि इस दिन यशोदा ने श्रीकृष्ण को प्राप्त करने के लिये व्रत किया था। इस दिन गंगासागर में स्नान-दान के लिये लाखों लोगों की भीड़ होती है। लोग कष्ट उठाकर गंगा सागर की यात्रा करते हैं। वर्ष में केवल एक दिन मकर संक्रान्ति को यहाँ लोगों की अपार भीड़ होती है। इसीलिए कहा जाता है- सारे तीरथ बार बार, गंगा सागर एक बार।

तमिलनाडु

तमिलनाडु में इस त्योहार को पोंगल के रूप में चार दिन तक मनाते हैं। प्रथम दिन भोगी-पोंगल, द्वितीय दिन सूर्य-पोंगल, तृतीय दिन मट्टु-पोंगल अथवा केनू-पोंगल और चौथे व अन्तिम दिन कन्या-पोंगल। इस प्रकार पहले दिन कूड़ा करकट इकठ्ठा कर जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है और तीसरे दिन पशु धन की पूजा की जाती है। पोंगल मनाने के लिये स्नान करके खुले आँगन में मिट्टी के बर्तन में खीर बनायी जाती है, जिसे पोंगल कहते हैं। इसके बाद सूर्य देव को नैवैद्य चढ़ाया जाता है। उसके बाद खीर को प्रसाद के रूप में सभी ग्रहण करते हैं। इस दिन बेटी और जमाई राजा का विशेष रूप से स्वागत किया जाता है।

असम

असम में मकर संक्रान्ति को माघ-बिहू अथवा भोगाली-बिहू के नाम से मनाते हैं।

राजस्थान

राजस्थान में इस पर्व पर सुहागन महिलाएँ अपनी सास को वायना देकर आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। साथ ही महिलाएँ किसी भी सौभाग्यसूचक वस्तु का चौदह की संख्या में पूजन एवं संकल्प कर चौदह ब्राह्मणों को दान देती हैं। इस प्रकार मकर संक्रान्ति के माध्यम से भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की झलक विविध रूपों में दिखती है।

उत्तराखंड में मकर संक्रांति

उत्तराखंड जैसा कि हम आपको पहले ही बता चुके हैं कि मकर संक्रांति देश के कई राज्यों में अलग-अलग नामों से जानी जाती हैं और पर्व के मनाए जाने का तौर तरीका भी काफी अलग होता है। देवभूमि उत्तराखंड में इस मुख्य पर्व मकर सक्रांति को घुघुतिया त्योहार के नाम से जाना जाता है। आज के दिन उत्तराखंड के सभी लोग अपने दिन की शुरुआत सुबह नहाने से करते हैं। उसके बाद सभी लोग अपने से बड़ों को प्रणाम करते हैं। घर की महिलाओं द्वारा रसवाडें को मोल मिट्टी की सहायता से लिपाई पुताई की जाती है। उसके बाद सभी लोगों द्वारा अपने घर के देवता स्वरूप देवी देवताओं की पूजा की जाती है। और दिन के भोजन में घुघुतिया बनाए जाते हैं। यह घुघुतिया आटे और गुड़ की सहायता से बनाए जाते हैं। जिसमें विभिन्न प्रकार की आकृतियों के माध्यम से घुघुतिया तैयार किए जाते हैं।

इन घुघुतों को बच्चे माला में पिरोकर ,दूसरे दिन कौओ को खिलाते हैं और गाते हैं ,काले कावा काले ,घुगुती माला खा ले । इसी तरह से यह पर्व अपने ऐतिहासिक पहलू को संजोता है।

मकर संक्रान्ति का महत्व

मकर संक्रान्ति के अवसर पर गंगास्नान एवं गंगातट पर दान को अत्यन्त शुभ माना गया है। इस पर्व पर तीर्थराज प्रयाग एवं गंगासागर में स्नान को महास्नान की संज्ञा दी गयी है। सामान्यतः सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं, किन्तु कर्क व मकर राशियों में सूर्य का प्रवेश धार्मिक दृष्टि से अत्यन्त फलदायक है। यह प्रवेश अथवा संक्रमण क्रिया छः-छः माह के अन्तराल पर होती है। भारत देश उत्तरी गोलार्ध में स्थित है। सामान्यत भारतीय पंचांग पद्धति की समस्त तिथियाँ चन्द्रमा की गति को आधार मानकर निर्धारित की जाती हैं, किन्तु मकर संक्रान्ति को सूर्य की गति से निर्धारित किया जाता है। हमारे पवित्र वेद, भागवत गीता जी तथा पूर्ण परमात्मा का संविधान यह कहता है कि यदि हम पूर्ण संत से नाम दीक्षा लेकर एक पूर्ण परमात्मा की भक्ति करें तो वह इस धरती को स्वर्ग बना देगा और आप जी की और इच्छा को पूरा करें।

क्यों क्रैश हुआ शेयर बाजार, क्या ये तीन कारण हैं जिम्मेदार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आई। सेंसेक्स और निफ्टी 1 फीसदी से ज्यादा गिर गए। सभी सेक्टर के शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिल रही है। मिड कैप और स्मॉल कैप के ज्यादातर स्टॉक 4 से 5 फीसदी गिरावट के साथ ट्रेड कर रहे हैं। आइए जानते हैं कि शेयर मार्केट के क्रैश होने की क्या वजह है।

अमेरिका के मजबूत रोजगार डेटा ने बिगाड़ा माहौल- अमेरिका में रोजगार का डेटा काफी मजबूत आया है। अमेरिका में दिसंबर में 2.56 लाख नौकरियां जुड़ीं, जो 1.65 लाख की अपेक्षा से कहीं ज्यादा हैं। इससे अमेरिका में बेरोजगारी दर घटकर 4.1त्न रह गई। इससे मजबूत अमेरिकी अर्थव्यवस्था का पता चलता है, लेकिन इससे फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में कटौती की उम्मीदें कम हो गई हैं।

इसका सीधा मतलब है कि भारत जैसे इमर्जिंग बाजारों से पैसा निकलकर अमेरिकी बाजार में जाना जारी रहेगा। यही वजह है कि दुनियाभर के शेयर बाजार में नकारात्मक माहौल बन गया।

डॉलर के मुकाबले रुपये का लगातार कमजोर होना

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया लगातार कमजोर हो रहा है। यह सोमवार को शुरुआती कारोबार में 27 पैसे कमजोर होकर 86.31 रुपये पर आ गया है। रुपये के कमजोर होने का मतलब है कि निर्यात की लागत बढ़ जाएगी। इससे जरूरी चीजों के दाम बढ़ जाएंगे। महंगाई बढ़ने से रिजर्व बैंक भी ब्याज दरों में कटौती का फैसला लंबे समय के लिए टाल सकता है।

दूसरी ओर, अमेरिका में बॉन्ड यील्ड लगातार बेहतर हो रही है। इससे विदेशी निवेशक भारत जैसे बाजारों से पैसे निकाल कर अमेरिका जैसे बाजारों में लगा रहे हैं। जब तक विदेशी निवेशकों की बिकवाली नहीं रुकती, तब तक भारतीय बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी ही रहेगा।

भारतीय कंपनियां वित्त वर्ष 2024-25 की दिसंबर तिमाही के लिए वित्तीय नतीजे जारी कर रही हैं। एक्सपर्ट का मानना है कि दिसंबर तिमाही में भी कंपनियों के वित्तीय नतीजे कमजोर बने रहेंगे। इसका मतलब है कि भारतीय बाजार का वैल्यूएशन भी अधिक बना रहेगा।

57 पर आ गया यह एनर्जी शेयर, लगातार गिरावट के बाद खरीदने की लूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। शॉर्ट कवरिंग के बीच बीएसई पर सुजलॉन के शेयर 2.55त्न बढ़कर 57 प्रति शेयर पर पहुंच गए थे। इसी के साथ पिछले तीन दिनों की गिरावट का सिलसिला भी टूट गया। बता दें कि सुजलॉन एनर्जी प्रमुख ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी सॉल्यूशन प्रोवाइडर्स में से एक है। यह एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड विंड टरबाइन जनरेटर (डब्ल्यूटीजी) निर्माता है। 74,896 करोड़ के मार्केट कैप के साथ सुजलॉन एनर्जी भारत में रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर का प्रमुख प्लेयर है।

क्या है डिटेल- एनालिस्ट ने कहा कि कंपनी भारत के रिन्यूएबल एनर्जी पर बढ़ते फोकस का फायदा उठा रही है, खासकर विंड एनर्जी सेक्टर में। पिछले महीने, क्रिसिल रेटिंग्स ने सकारात्मक आउटलुक के साथ सुजलॉन एनर्जी पर अपनी क्रेडिट रेटिंग को क्रिसिल ए में अपग्रेड किया, जो कंपनी के मजबूत प्रदर्शन और बेहतर प्रॉफिटेबिलिटी को आउटलाइन करता है। CRISIL ने हाई एग्जिक्यूशन वॉल्यूम पर WTG कारोबार के बेहतर प्रदर्शन की संभावना को दर्शाते हुए एक पॉजिटिव आउटलुक भी सौंपा है।

सुजलॉन एनर्जी स्टॉक प्राइस- सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में गिरावट का रुख रहा है क्योंकि स्टॉक में एक सप्ताह में 7% और इस महीने अब तक 18% से अधिक की गिरावट आई है इस साल अब तक यह शेयर 14% तक टूट गया है।

लोन को फिक्स्ड से फ्लोटिंग रेट पर जब चाहे करें स्विच

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोन को स्विच करने को लेकर अक्सर लोगों के मन में अलग-अलग तरह के सवाल आते रहते हैं। आपका कोई भी कर्ज किसी भी समय का हो, अब आप जब चाहें, इसे फ्लोटिंग या फिक्स ब्याज दरों में बदल सकते हैं।

अब आरबीआई ने छह साल पुराने एक सर्कलर पर जारी सवाल के जवाब में ये परेशानी दूर की है। सर्कलर के मुताबिक, असुरक्षित छोटे समय के लोन से लेकर कार, एजुकेशन और होम लोन जैसे लंबी अवधि के लोन के लिए यह नियम एक समान रूप से लागू होंगे।

कैसे मिलेगा लोगों को फायदा- साथ ही इसको लेकर बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके पास फिक्स लोन का ऑप्शन हो, ऐसे में बैंको का कहना है कि इससे लोन की लागत में भी भारी फायदा होगा। बैंक, एनबीएफसी और दूसरी वित्तीय संस्थाओं के लिए जरूरी होगा कि वे ग्राहक को बताएं कि ब्याज घटने से उसे कितनी ज्यादा राशि देनी पड़ेगी।

बैंकों को देनी होगी ये जानकारी- सर्कुलर के अनुसार, बैंकों को लोन स्वीकृति के समय और लोन की अवधि के दौरान फ्लोटिंग-रेट पर ब्याज दर रीसेट के प्रभाव के बारे में बताना चाहिए।

लोन पास करते समय, बैंकों को मुख्य तथ्य विवरण में वार्षिक ब्याज दर का खुलासा करना चाहिए, दर परिवर्तनों के संभावित प्रभाव की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए।

अवधि के दौरान श्वस्ध्र परिवर्तनों और ऋष्ठ विवरणों पर नियमित अपडेट प्रदान करना चाहिए।

लोन पर बढ़ती ब्याज दरों को संबोधित करने के ऑप्शन के बारे में भी सूचित किया जाना चाहिए।

इनमें EMI को समायोजित करना, लोन की अवधि बढ़ाना, फिक्स्ड से फ्लोटिंग में स्विच करना, समय से पहले लोन चुकाने का विकल्प आदि शामिल है।

महंगाई के मोर्चे पर राहत- दिसंबर में 4 महीने के निचले स्तर पर रिटेल महंगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। महंगाई मोर्चे पर राहत भरी खबर है। रिटेल महंगाई दर दिसंबर में घटकर 4 महीने के निचले स्तर 5.22 प्रतिशत पर आ गई। नवंबर में यह 5.48 प्रतिशत थी। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई नवंबर में 5.48 प्रतिशत और दिसंबर, 2023 में 5.69 प्रतिशत रही थी।

क्या है डिटेल - राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी सीपीआई आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति घटकर 8.39 प्रतिशत रह गई। नवंबर में यह 9.04 प्रतिशत और दिसंबर, 2023 में 9.53 प्रतिशत थी। एनएसओ ने कहा, ''दिसंबर, 2024 में सीपीआई (सामान्य) और खाद्य मुद्रास्फीति पिछले चार महीने के निचले स्तर पर आ गई।'' भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले महीने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने मुद्रास्फीति के अनुमान को 4.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत कर दिया था। केंद्रीय बैंक ने खाद्य कीमतों पर दबाव के कारण अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कुल मुद्रास्फीति के उच्चस्तर पर बने रहने की भी आशंका जतायी थी।

कमजोर बाजार में भी शानदार लिस्टिंग, जानिए कितना मिला मुनाफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग के शेयरों की सोमवार को शेयर मार्केट में दमदार एंट्री हुई। हालांकि, यह निवेशकों और ग्रे मार्केट प्रीमियम अनुमान से कम रही। स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग का शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 26 फीसदी प्रीमियम और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 23 फीसदी प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए। यह स्टॉक दोपहर करीब 12 बजे तक बीएसई 174.25 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसका मतलब कि निवेशकों का मुनाफा अब घटकर 24.46 फीसदी ही रह गया है। स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी के आईपीओ को निवेशकों का तगड़ा रिस्पॉन्स मिला था। यह इश्यू कुल 182.57 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग ने आईपीओ से 410.05 करोड़ रुपये जुटाए है। यह आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 6-8 जनवरी तक खुला था। इसे निवेशकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए आरक्षित हिस्सा 327.76 गुना, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का हिस्सा 275.21 गुना और खुदरा निवेशकों का हिस्सा 65.71 गुना भरा था।

एंकर निवेशकों से जुटाए थे 123 करोड़ रुपये- स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग लिमिटेड ने 3 जनवरी, 2024 को आईपीओ से पहले एंकर निवेशकों से 123 करोड़ रुपये जुटाए थे। इस आईपीओ में खुदरा निवेशक 107 शेयरों के न्यूनतम लॉट साइज के साथ आवेदन कर सकते थे। इसके लिए न्यूनतम 14,980 रुपये का निवेश करना जरूरी था। इस आईपीओ का अलॉटमेंट शुक्रवार को हुआ था।

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग की शुरुआत सितंबर 2012 में हुई थी। यह फार्मा और केमिकल सेक्टर के लिए इंजीनियरिंग इक्विपमेंट बनाती है। कंपनी डिजाइन, इंजीनियरिंग, मैनुफैक्चरिंग एसेंबली, इंस्टॉलेशन और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स की सर्विसेज मुहैया कराती है। इसके ग्राहकों की लिस्ट में अरबिंदो फार्मा, लौरस लैब्स, नाटको फार्मा, पिरामल फार्मा और विवांश लाइफ साइंसेज जैसी दिग्गज कंपनियां हैं। इसके पास 8 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट हैं।

स्टैंडर्ड ग्लास की कारोबारी सेहत लगातार मजबूत हुई है। इसे वित्त वर्ष 2022 में 25.15 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। यह अगले वित्त वर्ष 2023 में उछलकर 53.42 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024 में 60.01 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

बाजार की कंगाली में भी मालामाल कर रहा है यह स्टॉक, एक खबर के बाद लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कार्गो सर्विसेज प्रदान करने वाली कंपनी एफकॉम होल्डिंग्स के शेयरों में आज अपर सर्किट लगा है। कंपनी के शेयरों का भाव अपर सर्किट लगने के बाद बीएसई में सोमवार यानी आज 1074.80 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लगने के पीछे की वजह एयरलाइन कंपनी Etihad के साथ हुआ समझौता है। बता दें, लिस्टिंग के बाद से ही कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। कंपनी ने बताया है कि यूएई की नेशनल एयरलाइन कंपनी के साथ लॉन्ग टर्म कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। कंपनी चेन्नई और माले के बीच सीधे फ्लाइट शेड्यूल किया है। एफकॉम होल्डिंग्स ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है, यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने चेन्नई से माले के बीच रेगुलर फ्लाइट के लिए Etihad के साथ समझौता किया है। यह समझौता लॉन्ग टर्म के लिए किया गया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

धार्मिक शहरों में शराबबंदी की तैयारी, सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा- विचार कर रही सरकार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार नीति में सुधार कर, धार्मिक नगरों से शराबबंदी लागू करने पर विचार कर रही है। इस संबंध में साधु-संतों द्वारा दिए गए सुझावों पर राज्य सरकार गंभीर है।

धार्मिक नगरों का वातावरण प्रभावित होने संबंधी शिकायतें प्राप्त होती रहती हैं। हमारा प्रयास है कि इन नगरों की पवित्रता अक्षुण्ण रहे। वित्तीय वर्ष पूर्णता की ओर है, अत- राज्य सरकार जल्द ही निर्णय लेकर इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी।सीएम ने कहा- संत उठा रहे शराबबंदी की मांग

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि साधु-संत मध्य प्रदेश के धार्मिक शहरों में शराबबंदी की लगातार मांग उठा रहे हैं। प्रदेश सरकार इस पर विचार कर रही है। इसके लिए सरकार को अपनी शराब नीति में संशोधन करना होगा। सीएम का कहना है कि बजट सत्र अब करीब है, ऐसे में इस सत्र के दौरान इस पर कोई बड़ा फैसला आ सकता है।

सरकार इसको लेकर गंभीर है

सीएम डॉ. मोहन यादव ने यह भी साफ किया कि साधु-संतों द्वारा प्रदेश के धार्मिक शहरों में शराबबंदी की मांग को लेकर सरकार बहुत गंभीर है। सरकार इस पर विचार कर रही है और जल्द ही इसको लेकर निर्णय सामने आएगा।

हैदराबाद और सतना से पकड़े गए साइबर ठग गिरोह के छह और सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

जबलपुर। हैदराबाद और सतना से पकड़े गए साइबर ठग गिरोह के छह और सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। स्टेट साइबर पुलिस ने आरोपितों को गुरुग्राम और हैदराबाद से पकड़ा है। तीन आरोपित मध्य प्रदेश और तीन बिहार के रहने वाले है।

इनके बारे में जानकारी तीन दिन पूर्व सतना से पकड़े गए गिरोह के 11 सदस्यों से पूछताछ में मिली थी। गिरफ्तार आरोपितों को लेकर स्टेट साइबर पुलिस का दल शुक्रवार को जबलपुर पहुंचा।सतना जिला के कामता टोला निवासी मोहम्मद माशकू, टिकुरिया निवासी चंचल विश्वकर्मा को गुरुग्राम और सतना निवासी साजिद खान को हैदराबाद से गिरफ्तार किया है।

मामले में बिहार के पटना निवासी नीरज यादव, सहरसा निवासी रामनाथ कुमार एवं गोविंद कुमार को गुरुग्राम से पकड़ा गया है।फ्लैट में था अड्डा, 40 फोन, 14 लैपटॉप जब्त

गिरफ्तार आरोपितों से मिले सुराग के आधार पर स्टेट साइबर सेल के दो अलग-अलग दल ने हरियाणा और तेलंगाना में एक साथ छापा मारा।

दोनों जगह पर आरोपितों ने किराए के घर पर साइबर ठगी का अड्डा बना रखा था। जहां से आरोपित ऑनलाइन बेटिंग एप के माध्यम से लोगों को लाखों रुपये जीतने का झांसा देकर आनलाइन ठगी करते थे।

मौके से 40 मोबाइल फोन, 14 लैपटाप, अलग-अलग बैंकों के 89 एटीएम कार्ड, कई बैंक पासबुक, चेकबुक एवं अन्य अभिलेख जब्त किए है, जिनका प्रयोग आनलाइन ठगी के लिए किया जा रहा था।ठगी की बैंक में आयी राशि से मिला गिरोह का सुराग

सतना में एक कंपनी के निजी सुरक्षा कर्मी के बैंक खाता से संदिग्ध लेन-देन हुआ था। इसकी पुलिस ने जांच कि तो पता चला कि साइबर ठगी में ऐंठी गई राशि संबंधित बैंक खाता में जमा हो रही है।

जांच आगे बढ़ी तो हैदराबाद से एक युवक को गिरफ्तार किया। उसने पूछताछ में सतना के 11 लोगों के बैंक खाते का उपयोग आनलाइन ठगी की राशि के लेन-देन में प्रयुक्त किए जाने का खुलासा हुआ।

ये बैंक खाताधारक साइबर ठगों के गिरोह के सदस्य निकलें। ठगी की प्रत्येक बैंक ट्रांजेक्शन पर खाता धारकों को गिरोहा का सरगना निर्धारित कमीशन का भुगतान करता था।

गिरफ्तार आरोपितों ने पूछताछ में गिरोह के हैदराबाद और गुरुग्राम के ठिकाने की जानकारी दी थी, जिस पर गुरुवार को छापेमारी कर छह आरोपितों को पकड़ा गया है।पूर्व में मनमोहन नगर मांडवा बस्ती निवासी ऋतिक श्रीवास, मैहर निवासी मेदनीपाल चतुर्वेदी समेत सतना निवासी अनजर हुसैन, शशांक अग्रवाल, अमित निगम, अनुराग कुशवाहा, स्नेहिल गर्ग, सुमित शेवानी, अमित कुशवाहा, संदीप चतुर्वेदी, नितिन कुशवाहा और सागिर अख्तर को गिरफ्तार किया गया था।

भारतीय सेना में अग्निवीर बनने के लिए सागर में चल रही शारीरिक परीक्षा संपन्न

ग्वालियर। भारतीय सेना में अग्निवीर बनने के लिए सागर में चल रही शारीरिक परीक्षा संपन्न हो गई। इसमें प्रदेश के ग्वालियर सहित 10 जिलों के 7023 अभ्यर्थियों ने मैदान पर खूब दम दिखाया। इसमें से अब तक उत्तीर्ण 867 अभ्यर्थी ही हो सके, जो मेडिकल में भी फिट पाए गए।

524 अभ्यर्थियों का पुन- मेडिकल परीक्षण मिलिट्री हास्पिटल में होगा। इसके बाद मेरिट लिस्ट बनेगी। मार्च के पहले सप्ताह तक मेरिट लिस्ट जारी हो सकती है।8914 अभ्यर्थियों में से 1873 उत्तीर्ण

शारीरिक परीक्षा में ग्वालियर, शिवपुरी, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुर, टीकमगढ़, सागर, दमोह, निवाड़ी, छतरपुर के 8914 अभ्यर्थियों को शामिल होना था। 8914 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी हुआ था। इसमें से 7023 अभ्यर्थी ही शारीरिक परीक्षा में शामिल हुए, बाकी अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

7023 अभ्यर्थियों में से 2111 अभ्यर्थियों ने शारीरिक परीक्षा उत्तीर्ण की और यह मेडिकल परीक्षण के लिए भेजे गए। इसमें 1873 अभ्यर्थी मेडिकल बोर्ड के समक्ष परीक्षण के लिए भेजे गए। इसमें से 97 अभ्यर्थी दस्तावेज परीक्षण में बाहर हो गए।

मेडिकल के लिए 1893 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था, इसमें से बोर्ड के समक्ष 1775 अभ्यर्थी ही पहुंचे। रविवार शाम तक इसमें से 867 अभ्यर्थी फिट पाए गए और इन्हें अब अलग-अलग तिथियों में दस्तावेज परीक्षण के लिए ग्वालियर के मुरार स्थित सेना भर्ती कार्यालय में जाना होगा।

524 अभ्यर्थियों का पुन- मेडिकल परीक्षण होगा। इनका परीक्षण मिलिट्री हास्पिटल मुरार में होगा। 867 अभ्यर्थियों का परीक्षण जनवरी के आखिरी सप्ताह में शुरू हो जाएगा। यह करीब एक माह तक चलेगा।

70 अभ्यर्थियों का हुआ ड्रग टेस्ट, एक भी ऑजिटिव नहीं मिला

7023 अभ्यर्थियों में से 70 अभ्यर्थी ऐसे थे, जिन पर सेना के अधिकारियों को संदेह था कि यह ड्रग लेने के बाद दौड़ में शामिल हुए हैं।

सीएम और शिवराज के जिलों में तय हुए बीजेपी जिलाध्यक्षों के नाम

भोपाल। भाजपा ने मध्य प्रदेश के 60 संगठनात्मक जिलों में से दो जिलों के जिला अध्यक्ष घोषित कर दिए हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के संसदीय क्षेत्र के विदिशा जिले और मुख्यमंत्री मोहन यादव के गृह जिले उज्जैन का जिला अध्यक्ष घोषित कर दिया गया है।

उज्जैन नगर जिला अध्यक्ष संजय अग्रवाल को बनाया गया है, वे मुख्यमंत्री यादव के करीबी माने जाते हैं। इसी तरह विदिशा का जिला अध्यक्ष महाराज सिंह दांगी को बनाया गया है। संगठन चुनाव के तहत रविवार को दो जिला अध्यक्षों की घोषणा कर शेष जिलों को होल्ड पर रखा गया है।अन्य जिलाध्यक्षों का नाम अटका पार्टी अब राजनीतिक समीकरणों के तहत प्राथमिकता के आधार पर जिला अध्यक्षों की घोषणा करेगी। जिला अध्यक्ष को लेकर दो जनवरी से कवायद की जा रही थी। पार्टी पदाधिकारियों का दावा था कि पांच जनवरी तक जिला अध्यक्ष घोषित कर दिए जाएंगे।

प्रदेश में कोहरा और कड़ाके की ठंड, बादल छाने से कई जिलों में हो सकती है बारिश

भोपाल। हवाओं के साथ नमी आने के कारण मध्य प्रदेश के अधिकतर शहरों में बादल बने हुए हैं। शनिवार-रविवार को कुछ क्षेत्रों में वर्षा भी हुई। वातावरण में नमी रहने के कारण कोहरा एवं धुंध भी बनी हुई है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ जाने से अब वर्षा होने की संभावना कम है।

इससे रात के तापमान में भी कुछ कमी आने के आसार हैं। हालांकि अभी दो दिन तक प्रदेश के अधिकतर जिलों में सुबह के समय कोहरा बना रह सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार बादल बने रहने के कारण रात के तापमान में बढ़ोतरी हुई है।रविवार को प्रदेश में सबसे कम 7.5 डिग्री सेल्सियस तापमान मंडला में दर्ज किया गया। उमरिया में शीतल दिन रहा। उधर रविवार को सुबह साढ़े आठ बजे से

शाम साढ़े पांच बजे तक दमोह में सात, सतना एवं उमरिया में दो, बैतूल एवं रीवा में एक मिलीमीटर वर्षा हुई।

ये मौसम प्रणालियां हैं सक्रिय

वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ पंजाब और उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। इसके प्रभाव से उत्तर-मध्य राजस्थान और उसके आसपास एक प्रेरित चक्रवात बना हुआ है। उत्तर भारत के ऊपर जेट स्ट्रीम बना हुआ है। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि प्रदेश में वर्षा होने की संभावना नहीं है।

आंशिक बादल एवं कोहरा

हालांकि वातावरण में बड़े पैमाने पर नमी बनी रहने के कारण आंशिक बादल एवं कोहरा बना रह सकता है, लेकिन रात के तापमान में अब कुछ गिरावट होगी। उधर 14 जनवरी से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 16 जनवरी से रात के तापमान में फिर बढ़ोतरी होने लगेगी।

चंबल-बुंदेलखंड में रातभर रुक-रुककर वर्षा

चंबल अंचल और बुंदेलखंड में शनिवार-रविवार की रात रुक-रुककर वर्षा का दौर जारी रहा। मुरैना जिले में जहां 4.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। वहीं भिंड जिले में 3.5 मिलीमीटर, शिवपुरी में 3.8 मिलीमीटर वर्षा हुई। इसी तरह बुंदेलखंड के दतिया जिले में छह मिमी. और छतरपुर व नौगांव में 14 मिमी. औसत वर्षा दर्ज हुई।

गेहूं की फसल को लाभ

आंचलिक कृषि अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. संदीप सिंह तोमर ने बताया कि इस समय गेहूं की फसल में दूसरे पानी का सीजन चल रहा है। वर्षा से गेहूं की फसल भरपूर पानी मिल गया है। इतना ही नहीं, जिन किसानों ने सरसों, चना, मसूर, मटर जैसी फसलें बोई हैं, उनके लिए तो वर्षा अमृत जैसी रही।

कृषि जानकारों के अनुसार तिलहनी व दलहनी फसलों में कुल दो बार पानी लगता है। 10 दिन पहले भी जिलेभर में वर्षा हुई थी तब सरसों, चना, मसूर, मटर की पहली सिंचाई हो गई थी। अब इन फसलों को पर्याप्त मात्रा में दूसरा पानी मिल गया है।

स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस को मनाया गया युवा दिवस के रूप में

इंदौर। इंदौर जिले में आज 12 जनवरी को स्वामी विवेकानन्द जी के जन्मदिवस को ÷युवा दिवस÷ के रूप में मनाया गया। स्कूलों में भी सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम सम्पन्न हुए। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम सुबह 8.30 बजे से सुबह 10.45 बजे तक आरएपीटीसी ग्राउंड महेश गार्ड लाईन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर आकाशवाणी से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम में राष्ट्रगीत वंदे-मातरम, स्वामी विवेकानन्द का रिकार्डेड ऑडियो और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का प्रसारण किया गया। स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक-शिक्षिका, विद्यार्थी तथा शहरवासी शामिल हुए।

जिला स्तरीय इस कार्यक्रम में लगभग साढ़े चार हजार छात्र-छात्राओं आदि ने उत्साहपूर्वक सामूहिक सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम किया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में जिला योग समिति, सहज योग केन्द्र, आरोग्य भारती, प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, योग एसोसिएशन इन्दौर, योग संघ, एनसीसी, स्काउट गाईड, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, पंतजलि योग समिति, आर्ट ऑफ लिविंग संस्था (श्री रविशंकर जी), अशासकीय शिक्षण संस्थाओं तथा संबंधित विभाग, संगठन, पालक शिक्षक संघ, विभिन्न योग संस्थाएं, विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी, आर्य समाज, विद्या भारती शिक्षा संस्थान, आरोग्य भारती, ईशा फाउंडेशन श्री रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ, गायत्री परिवार, आर्य समाज, अनुसूचित जनजाति विकास विभाग के छात्रावास, स्थानीय खेल क्लब, सेवानिवृत्त सैनिक, स्थानीय निकाय, मोहल्ला क्लब, मार्निंग वाकर्स, व्यायाम शाला, हेल्थ क्लब, पंचायत, सहकारी संस्थाएँ, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में पुरस्कृत प्रतिभाएं, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, नगर सुरक्षा समितियाँ आदि की सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में सामूहिक सहभागिता रहीं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सन्देश प्रसारित किया गया। स्वामी विवेकानंद द्वारा 1893 में शिकागो धर्म सम्मेलन में दिए गए भाषण का हिंदी अनुवाद भी कार्यक्रम में प्रसारित किया गया। सूर्य नमस्कार के प्रारम्भ में राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् का रेडियो से प्रसारण किया गया। आकाशवाणी भोपाल से प्रसारित सन्देश के अनुरूप स्कूली बच्चों ने सूर्य नमस्कार के आसन किये साथ ही प्राणायाम भी किया।

पीआईएमआर द्वारा रिसर्च मेथोडोलॉजी आठ दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

इंदौर। छात्रों और शिक्षकों की रिसर्च मेथोडोलॉजी कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से, प्रेस्टिज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च ने 8 दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला रिसर्च मेथोडोलॉजी - बेसिक्स टू एडवांस आयोजित की। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों और छात्रों के रिसर्च कौशल को बढ़ाना, रिसर्च मेथोडोलॉजी, डेटा विश्लेषण तकनीकों और SPSS और AMOS जैसे उन्नत सांख्यिकीय उपकरणों की समग्र समझ प्रदान करना था।

प्रसिद्ध अकादमिक विशेषज्ञों और उद्योग पेशेवरों ने इंटरेक्टिव सत्रों का नेतृत्व किया, जो रिसर्च मेथोडोलॉजी और सांख्यिकीय उपकरणों के उपयोग के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्रदान करते थे। इस कार्यशाला का ध्यान प्रतिभागियों के शोध पत्र और थिसिस को प्रभावी तरीके से लिखने के कौशल को बेहतर बनाने पर था। भारत के विभिन्न राज्यों जैसे महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटका, केरल, पंजाब, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के प्रतिभागियों ने इस ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लेकर अपने रिसर्च कौशल का प्रदर्शन किया। PIMR के समूह निदेशक डॉ. एस. एस. भाकर ने संस्थान की अकादमिक उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जबकि निदेशक ल (कर्नल) डॉ. एस. रमण अय्यर ने प्रतिभागियों की प्रगति की सराहना की। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. समीर दुबे और डॉ. प्रियंका चौधरी ने कहा कि इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को उनके रिसर्च करियर में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक उपकरण और ज्ञान प्रदान किया।

जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शहर और गाँवों में लगाए गए लगभग साढ़े पांच सौ शिविर

इंदौर। इंदौर जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार नागरिकों की समस्याओं के निराकरण और शासकीय सुविधाओं का लाभ देने के लिए शहर और गाँवों में लगभग साढ़े पांच सौ शिविर लगाये गए। इन शिविरों में नागरिकों द्वारा कुल 77 हजार 762 आवेदन दिये गए। इनमें से 73 हजार 839 नागरिकों के आवेदन स्वीकृत किये गए। शेष आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान का जिले में 26 जनवरी तक क्रियान्वयन किया जाएगा।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में जिले में जनकल्याण अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। बताया गया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जिले में 11 दिसम्बर से जनकल्याण अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों में तथा शहरों में वार्डवार शिविर निर्धारित तिथियों में लगाये जा रहे हैं। अभी तक जिले में 539 शिविर आयोजित किए जा चुके है। इनमें से इंदौर शहर के वार्डों में 85 शिविर लगाए जा चुके है। इसी तरह जनपद पंचायत देपालपुर में 108, सांवेर जनपद में 81, महू जनपद में 78, इंदौर जनपद में 67 शिविर लगाए गए हैं। इसी प्रकार सभी आठों नगर परिषदों में 15-15 शिविर आयोजित किए गए हैं। उक्त शिविरों में कुल 77 हजार 762 आवेदन प्राप्त हुए है, इनमें से 73 हजार 839 आवेदनों का निराकरण कर दिया गया है। अपात्रता होने से 316 आवेदन निरस्त किए गए है। शेष आवेदनों के ?निराकरण की प्रक्रिया जारी है। बताया गया कि जनकल्याण अभियान में आमजन से जुड़ी 63 शासकीय सेवाओं का लाभ नागरिकों तक सीधा पहुँचाया जा रहा है। साथ ही 45 हितग्राही मूलक योजनाओं के तहत भी नागरिकों के प्रकरण तैयार किए जा रहे है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि यह अभियान राज्य शासन का अतिमहत्वपूर्ण अभियान है, इस अभियान को पूर्ण गंभीरता से लिया जाए, अधिक से अधिक नागरिकों को इस अभियान के माध्यम से लाभ दिया जाए। अभियान के क्रियान्वयन में किसी भी तरह की कोताही नहीं बरती जाये।

इंदौर जिले की लाड़ली बहनों के खाते में आयी राशि

इंदौर। इंदौर जिले में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अन्तर्गत 4 लाख 46 हजार 580 पात्र बहनों को 1250 रुपये की राशि सीधे बैंक खाते में आज अंतरित की गई। यह राशि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कालापीपल जिला- शाजापुर में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से अंतरित की। इस अवसर पर इंदौर शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यक्रम सम्पन्न हुए। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी के कालापीपल के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। इंदौर शहर में यह कार्यक्रम नगर निगम के झोन कार्यालयों सहित अन्य स्थानों पर आयोजित भी सम्पन्न हुए।

मुख्यमंत्री जी ने मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की लाभार्थी बहनों को माह जनवरी 2025 की मासिक सहायता राशि का वितरण किया। साथ ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि तथा प्रधानमंत्री उज्जवला योजनांतर्गत एलपीजी गैस कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं एवं गैर पीएम उज्ज्वला योजना श्रेणी की लाड़ली बहना हितग्राहियों को अनुदान राशि का सिंगल क्लिक से भी अंतरण किया गया। लाड़ली बहना योजनान्तर्गत इंदौर जिले की कुल 4 लाख 46 हजार 580 पात्र बहनों को 1250 रुपये के मान से राशि सीधे उनके खाते में डीबीटी के माध्यम से प्रदान की गई। इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री गोलू शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण शामिल हुए। कार्यक्रम में महिलाओं को मकर संक्राति की शुभकामनाएं देते हुए उपहार भी दिए गए। कार्यक्रम में कन्या पूजन भी किया गया। इस अवसर पर महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए भारतीय परम्परागत खेलों का आयोजन भी किया गया।

भारतीय संस्कृति और सृजनात्मकता का जीवंत प्रतीक है विशाल रंगोलीः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वामी विवेकानंद की जयंती और प्रदेश में युवा शक्ति मिशन के शुभारंभ पर शौर्य स्मारक में 18 हजार स्क्वायर फीट क्षेत्र में बनाई गई स्वामी जी की विश्व की सबसे बड़ी 3ष्ठ रंगोली, भारतीय संस्कृति और सृजनात्मकता का जीवंत प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अद्भुत कौशल और अतुलनीय कला से समृद्ध हमारी युवा बेटियों की यह पहल प्रत्येक युवा को हमारे प्रदेश का नाम गर्व से ऊंचा करने की निरंतर प्रेरणा देती रहेगी। इस विशिष्ट रंगोली को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शौर्य स्मारक में बनाई गई रंगोली के अवलोकन के बाद उक्त विचार व्यक्त किए। चार हजार किलोग्राम प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर 225 × 80 फीट क्षेत्र में बनाई गई इस रंगोली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के चित्र को भी बखूबी दर्शाया गया। रंगोली के माध्यम से धरती को सुरक्षित और संरक्षित करने के लिये युवाओं के संकल्प और उत्साह को भी प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को इस विशिष्ट रंगोली के गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होने का सर्टिफिकेट ऑफ़ एक्सीलेंस प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े ने रंगोली का चित्र भेंट किया।

उल्लेखनीय है कि यह विशिष्ट रंगोली इंदौर की रंगोली कलाकार शिखा शर्मा जोशी और उनकी टीम द्वारा बनाई गई। सुश्री शिखा नेपाल और थाईलेंड में उत्कृष्ट पुरस्कार जीत चुकी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुश्री शिखा और उनकी टीम के अन्य कलाकारों को बधाई दी और उनके उज्वल भविष्य की कामनाएं की। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, विधायक श्री भगवान दास सबनानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्कूल शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त शिक्षक को सेवानिवृत्ति के निर्धारित समय पर मिला पेंशन आर्डर

इंदौर। इंदौर में जनकल्याण अभियान के चलते नागरिकों को उनकी समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही उन्हें विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ भी निर्धारित समय-सीमा में देना सुनिश्चित किया जा रहा है। हाल ही में एक ऐसा प्रकरण शासकीय अहिल्या आश्रम क्रमांक 2 में हुआ, जब सेवानिवृत्त एक शिक्षिका को सेवानिवृत्ति के निर्धारित समय पर पेंशन आर्डर मिला। इंदौर के शासकीय पीएमश्री अहिल्याश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 02 के प्राचार्य श्री दीपक हलवे ने बताया कि गत 31 दिसम्बर को विद्यालय से सेवानिवृत्त हुई शिक्षिका श्रीमती मीना जैन का पीपीओ(पेंशन पेमेंट आर्डर) संभागीय पेंशन कार्यालय ने सेवानिवृत्ति के सातवें दिन 7 जनवरी 2025 को जारी कर दिया। इस कार्य में श्री धीरेन्द्र शुक्ला, स्वाति शर्मा,अशोक यादव और मोहन दांगी का प्रशंसनीय सहयोग रहा।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना व सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना से पतित पावनी क्षिप्रा मैया होंगी स्वच्छ, अविरल व प्रवाहमान-मुख्यमंत्री

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सोमवार दोपहर क्षिप्रा शुद्धिकरण के लिए निर्माणरत कान्ह क्लोज डक्ट डायवर्जन परियोजना का बामोरा ग्राम स्थित 32 मीटर गहरे शाफ्ट-3 की निर्माणरत टनल में उतरकर कार्य का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने निरीक्षण कर अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता, समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 दृष्टिगत कान्ह क्लोज डक्ट डायवर्जन परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस योजना से हमारे कई वर्षों का संकल्प मूर्त रूप लेगा। इस परियोजना के माध्यम से कान्ह का दूषित जल क्षिप्रा के किसी भी तट पर नहीं मिलेगा। कान्ह नदी का पानी गंभीर नदी के डाउनस्ट्रीम तक शुद्धीकरण कर पहुंचाया जाएगा जिससे किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी भी मिल पाएगा।

टनल में कार्यरत श्रमिकों से संवाद कर कुशलक्षेम जानी

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने टनल में उतरकर टनल में कार्यरत श्रमिकों से संवाद कर उनकी कार्यशैली, जीवनचर्या व कार्य का समय और उनकी कुशलक्षेम जानी। श्रमिकों ने मुख्यमंत्री डॉ.यादव की सहृदयता व संवेदनशील व्यवहार देखकर उनसे खुलकर चर्चा की। श्रमिकों ने कहा कि वह माता क्षिप्रा को स्वच्छ करने वाली इस परियोजना के लिए युद्ध स्तर पर कार्य कर देश के लिए अपना योगदान दे रहे हैं। इस बात पर मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने श्रमिकों के देश निर्माण में उल्लेखनीय योगदान व देश प्रेम की भावना की सराहना की।

इसके पूर्व एसीएस श्री राजेश राजोरा के द्वारा मुख्यमंत्री डॉ.यादव, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटील, प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, जिले के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल व नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव को योजना के सोमवार तक के कार्य प्रगति की जानकारी दी। कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना का भूमिपूजन भी मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा जून 2024 में किया गया था। यह परियोजना सितंबर 2027 तक पूर्ण होगी, जिसमे कार्य करने वाली एजेंसी द्वारा 15 वर्षों का संचालन तथा रखरखाव का प्रावधान किया गया है। इससे क्षिप्रा माता स्वच्छ व निर्मल होंगी और कान्ह नदी का दूषित पानी क्षिप्रा माता में नहीं मिलेगा। उक्त परियोजना की कुल लंबाई 30.15 किमी होगी जिसमें 12 किमी टनल होगी व 18.15 किमी कट एंड कवर भाग होगा। कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना निर्माणाधीन है जिसके कट एंड कवर भाग में खुदाई एवं पीसीसी कार्य, टनल भाग में चार शाफ्ट के माध्यम से वर्टिकल एवं हॉरिजॉन्टल खुदाई का कार्य एवं कास्टिंग यार्ड में प्री कास्ट सेगमेंट की कास्टिंग का कार्य प्रगतिरत है।

नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल का भाजपा कार्यालय पर हुआ जोरदार स्वागत

उज्जैन। भारतीय जनता पार्टी उज्जैन नगर के नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल के स्वागत समारोह में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शामिल हुए । स्वागत समारोह में कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी व फूलों की वर्षा कर नवनिर्वाचित अध्यक्ष व मुख्यमंत्री जी का जोरदार स्वागत किया ।

मीडिया प्रभारी दिनेश जाटवा के अनुसार भाजपा कार्यालय लोकशक्ति भवन में आयोजित स्वागत समारोह में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ता का पद सबसे बड़ा होता है और मध्य प्रदेश में संगठन अगर मजबूत है तो कार्यकर्ताओं के कारण उसमें भी उज्जैन के कार्यकर्ता और अच्छे है जिनके कारण यंहा का संगठन बहुत मजबूत है । हमारी यह स्वस्थ परंपरा है और इसी से संगठन की पहचान बनती है और इसका उदाहरण है कि जो भी अध्यक्ष बना है वो पहले महामंत्री रहा है । कल का भविष्य आप सभी कार्यकर्ताओं का है जब नीचे से काम करते करते आते हैं तो हमारी पार्टी हर एक व्यक्ति का ध्यान रखती है इसका उदाहरण संजय जी है जो 1983 से माधव कॉलेज की छात्र राजनीति करते हुए विभिन्न पदों पर रहते हुए संगठन कार्य करते हुए आज अध्यक्ष बने हैं । पार्टी में आपको जो कार्य मीले उसे अच्छे से करते हुए आगे बढे । हमारे किये हुए कार्य से हमारी पहचान बनेगी । उन्होंने कहा कि संजय जी आपकी अब परीक्षा चालू होगी छोटों से प्रेम करना, बड़ों का सम्मान करना और एक आदर्श स्थापित करते हुए जिन जिन बुथों पर हम कमजोर है उन पर मेहनत करते हुए बूथ मजबूत करना होगा ।

उज्जैन टेंट हाउस एसोसिएशन ने मजदूर बस्ती में वितरित किये पतंग, लड्डू

उज्जैन। उज्जैन संभाग अध्यक्ष समीर उल्हक और प्रवक्ता कमल लालावत ने बताया कि मकर संक्रांति पर्व पर उज्जैन टेंट हाउस एसोसिएशन द्वारा जूना मिल, ट्रेजर बाजार, इस्कॉन मंदिर मजदूर बस्ती में तिल के लड्डू ओर पतंग का वितरण किया। अध्यक्ष योगेश गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सोना चांदी व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष रविन्द्र सोनी, प्रेमसेवा फाउंडेशन की सचिव साधना धाकड़, सह प्रवक्ता शबनम खान थीं।

मालवीय बलाई समाज ने मनाया स्वामी विवेकानंद जी का जन्म दिवस

उज्जैन। मालवीय बलाई समाज संघ के तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद जी का जन्म दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मालवीय बलाई समाज संघ के अध्यक्ष हजारीलाल मालवीय संघ के नगर कार्यवाहक योगेश जी बलाई समाज के वरिष्ठ मुकेश मालवीय टी के मालवीय बी एल चौहान लखन परमार मनोज मालवीय मनसुख लाल मालवीय संजय मालवीय आदि उपस्थित रहे। इनके अलावा अन्य समाज के लोगों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

देश के महापुरुष रामकृष्ण परम हंस के शिष्य ने विदेश में भारतवर्ष का नाम रोशन किया- श्री कोलीजी

उज्जैन। देश में वैसे तो बहुत महापुरुष हुए हैं परंतु स्वामी विवेकानंदजी जैसे महापुरुष वीरलय पैदा हुए हैं जिन्होंने विदेश में भारतवर्ष का नाम रोशन किया। उनके पद चिन्हों पर एवं महारानी लक्ष्मीबाई की करीबी वीरांगना झलकारी बाई के मार्गदर्शन में चलते हुए हमें आगे बढ़ते रहना चाहिए।

यह बात उज्जैन में वीरांगना झलकारी बाई कोरी सामाजिक संगठन, नगर उज्जैन की सदस्य बहनों के बीच राजस्थान के बयाना -भरतपुर के लोकसभा सांसद, अखिल भारतीय कोली समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं भरतपुर के भाजपा संगठन प्रभारी रामस्वरूप कोली ने स्वामी विवेकानंद जी के जयंती के उपलक्ष में कोरी समाज की बहनों के बीच कहीं। सर्वप्रथम समिति की अध्यक्ष डॉ दिपा आर्य एवं पूर्व सांसद रामस्वरूप कोली, वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के पूर्व डायरेक्टर भूपेंद्र कछवाय एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र हुकमचंद कछवाय ने स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। उसके पश्चात समिति की अध्यक्ष डॉ. दीपा आर्य एवं सचिव रागनी हाडिया ने पुष्पगुच्छ एवं भगवान महाकालेश्वर के दुपट्टा पहना कर स्वागत किया। इस अवसर पर अनीता बीटोरीया, राघीनी हाटीया, रीना हाटिया, सरोज कछवाय, दिव्या रठा, अर्चना कछवाय, निलीमा वर्मा, प्रमिला झागरिया, ममता मानकरें, ममता लारीया, संजना कोरी आदि मौजूद रहीं। कार्यक्रम का संचालन पुष्पा झांकरिया ने किया।

ग्राम उज्जैनिया में राठौर तीर्थ भूमि पर न्यास का स्नेह सम्मेलन आयोजित

उज्जैन। उज्जैन शहर से 15 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम उज्जैनिया में राठौर तीर्थ भूमि पर पहली बार राठौर तीर्थ न्यास का श्रद्धा एवं उमंग उत्सव स्नेह सम्मेलन आयोजित किया गया। पूरे भारत के कई बड़े राज्यों से आए फाउंडर मेंबर एवं शिलान्यासी सदस्य बड़ी संख्या में पधारें।

राठौर तीर्थ न्यास अध्यक्ष आरएन राठौर ने बताया कि भारत में पहली बार राठौर समाज का तीर्थ बनने जा रहा है। ग्राम उज्जैनिया में 12 जनवरी रविवार को राठौर तीर्थ की भूमि पर पहली बार श्रद्धा एवं उमंग उत्सव का स्नेह सम्मेलन तीर्थ भूमि पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान लड्डू गोपाल की यात्रा निकालकर, भगवान लड्डू गोपाल जी को छप्पन भोग लगाया गया एवं राठौर तीर्थ की सबसे पहले चांदी की शीला लेकर भगवान लड्डू गोपाल जी के चरणों में रखी। स्नेह सम्मेलन में भगवान लड्डू गोपाल की प्रतिमा के समक्ष मुख्यातिथियों द्वारा द्वीप प्रचलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में सभी फाउंडर मेंबर एवं शिलान्यासी सदस्यों व समाज बंधुओं ने श्री हनुमान जी की चालीसा पाठ कर

कार्यक्रम को आगे बढ़ाया, संगीतमय सुंदरकांड की प्रस्तुति दी गई। सुमधुर संगीतमय भजनों पर राठौर के सभी समाजजन और सदस्यों ने झूमकर नाचे। लड्डू गोपाल की पालकी इंदौर से नरेंद्र राठौर लेकर पहुंचे। मनोज राठौर तेली द्वारा छपना पकवान के भोग सजाए महाआरती हुई। भोजन प्रसादी हुई।

इन दाताओं ने राशि दी-श्री राठौर तीर्थ निर्माण हेतु श्रीमती मीना श्री गोपाल राठौर कलमकार 151000, संतोष सोलंकी आगर मालवा 51000, शैलेन्द्र राठौर पीपलगोन खरगोन 50000, सुभाष राठौर सिलोद वालों ने 51000 दान राशि के चेक दिए।

मयंक राठौड़ पिता गोविंद राठौर, इंदौर पीएफ ऑफिस 211000, कमल राठौर जगदीश चंद्र राठौड़ मालवा ट्रेडिंग कंपनी चोइथराम मंडी 211000, चंद्रपाल राठौर इंदौर द्वारा 500 बोरी सीमेंट, शिलान्यासी सदस्य के रूप में मोहित राठौर मैंनपुरी उत्तरप्रदेश 151000, अमित पिता छोटे लाल राठौर देवास 151000 का तथा डॉ. रमाशंकर राठौर छतरपुर एवं मुकेश राठौर साईं सागर गुना द्वारा 10 बाय 10 का का कमरा निर्माण पेट 51000, 51000 राशि देने का संकल्प लिया।

वहीं 21000, 21000 दान देकर एक एक हजार वर्ग फिट भूमि दानी के रूप में श्रीमती रामकुंवर बाई स्व. मिश्रीलाल राठौर, रमेश वात्रा मंदसौर ने संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला एवं सत्र न्यायाधीश रघुवीरसिंह राठौर कानपुर, डॉ. भगवानसिंह पावर उपाध्यक्ष जनपद, शंकरसिंह अंजना सरपंच गनई पिपलिया, अ.भा. क्षत्रिय राठौर समाज पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रतनसिंह राठौर (पीपी साहेब), डा. एमके राठौर पूर्व डीन मेडिकल कॉलेज उपस्थित हुए।

इस आयोजन को सफल बनाने में मुकेश राठौर भोपाल, वीरेंद्र राठौर आष्टा, गोपाल राठौर कलमखार, राजेश सोलंकी खाचरौद, हरीश राठौर लड्डू इंदौर, विजय राठौर कसरावद, ललित राठौर इंदौर, मोहनलाल राठौर गौतमपुरा, अशोक राठौर जावरा वाले, अयोध्याप्रसाद राठौर ग्वालियर, शिवनारायण राठौर दानीगेट, दिलीप राठौर मगरवा, जितेंद्र राठौर योगेश राठौर, सुरेश राठौर ग़नई, सतीश राठौर नजरपुर, बंशी राठौर, जितेंद्र राठौर दानी गेट, पत्रकार जितेंद्र राठौर, विजय राठौर आर्टक, श्याम राठौर रंगवासा, सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे। कार्यक्रम की जानकारी मिडिया प्रभारी जितेंद्र राठौर ने दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com